रोहतक

रविवार, 7 अप्रैल 2024

चैत्र मास कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी वर्ष : 28, अंक : 70

पृष्ठ 14 मूल्य 3.00

मौसम

अधि. 34.8

न्यून. 17.4

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

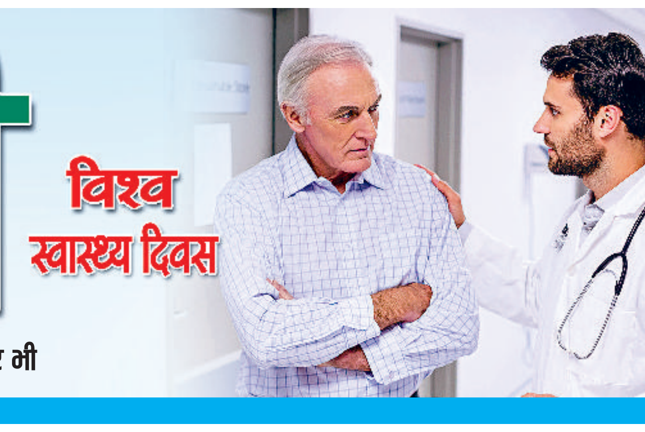

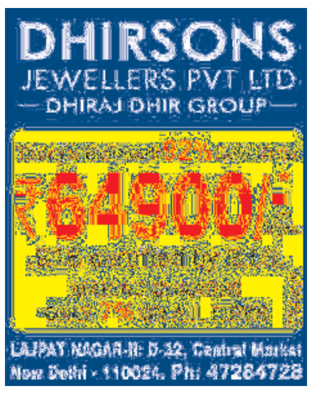

सीबीआई ने एक दिन पहले हरियाणा-दिल्ली में मारे थे छापे

03 नवजात बरामद किए

06 आरोपित दिल्ली निवासी

01 सोनीपत का

दिल्ली में बच्चों की तस्करी गिरोह के सात सदस्य पकड़े

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली/सोनीपत

सीबीआई ने दिल्ली में बच्चों की खरीद-बिक्री करने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है। एजेंसी ने एक दिन पहले ही चाइल्ड ट्रैफिकिंग मामले में हरियाणा, दिल्ली समेत 7 जगह छापेमारी की थी। इस दौरान दिल्ली के केशवपुरम इलाके में स्थित एक घर से तीन नवजात शिशुओं को बचाया गया है। इनमें दो लड़के हैं, जिनमें एक डेढ़ दिन और दूसरा 15 दिन का है। एक बच्ची करीब महीने भर की है। सीबीआई ने एक अस्पताल के वार्ड बॉय समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपित सोनीपत के खरखौदा निवासी नीरज भी हैं। आरोपितों में 5 महिलाएं हैं। सूत्रों के अनुसार आरोपितों का गिरोह बच्चों के रियल माता-पिता या सरोगेट मां से उन्हें खरीदते थे। फिर सोशल मीडिया एड के जरिए निःसंतान दंपत्तियों को बेच देते थे। एक बच्चे की कीमत 4 से 6 लाख रुपये लगाई जाती थी।

खुलासा

4 से 6 लाख में नि.संतान दंपत्तियों को बेचते थे बच्चे

■

माता-पिता या सरोगेट मदर से खरीदे जाते थे

■

आरोपितों ने मार्च में करीब दस बच्चों का सौदा किया

■

सोशल मीडिया पर करते थे प्रचार

अब रडार पर बड़े अस्पताल

सीबीआई ने सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके अलावा 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि शिशु तस्करों का एक नेटवर्क गोद लेने के साथ-साथ अन्य अवैध कामों के लिए भारत भर में बच्चों की खरीद-बिक्री में शामिल है। देश के कई बड़े अस्पताल जांच के दायरे में आ गए हैं। जांच एजेंसी कई राज्यों में मामले की जांच कर रही है।

ऐसे करते थे संपर्क

- गिरफ्तार लोगों की पहचान दिल्ली के पश्चिम विहार की इंदु पवार, पटेल नगर के असलम, कन्हैया नगर की पूजा कश्यप, मालवीय नगर की अंजलि, कविता, रितु और हरियाणा के सोनीपत निवासी नीरज के रूप में की गई है।
- सीबीआई ने कहा कि आरोपितों का गिरोह फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए बच्चे गोद लेने वाले निःसंतान दंपतियों से संपर्क करते थे। एडॉप्शन का फर्जी डॉक्यूमेंट्स बनाकर कई दंपतियों से लाखों रुपये की ठगी कर चुके हैं।

सामान की तरह होता था सौदा

सीबीआई के मुताबिक, आरोपित ब्लैक मार्केट में सामान की तरह बच्चों का सौदा करते थे। मार्च में ही 10 बच्चे बेचे गए। सर्च ऑपरेशन के दौरान 5.5 लाख कैश, दस्तावेज व आपत्तिजनक सामान मिला है।

तीसरे कार्यकाल के 100 दिन में बड़े फैसले लिए जाएंगे : मोदी

पुष्कर में बोले पीएम- भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जारी रहेगी

भाषा ▸▸ जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसे परिवारवादी एवं भ्रष्टाचारी पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां रहती है वहां विकास हो ही नहीं सकता। जिस तेज रफ्तार से देश का विकास होना चाहिए वह तेज रफ्तार सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही दे सकती है। प्रधानमंत्री पुष्कर-अजमेर में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में भ्रष्टाचार के खिलाफ और बड़े फैसले लेने जा रहा हूं। मैं पूरी तैयारी करके बैठा हूं। दस साल में जो कार्रवाई हुई, वह ट्रेलर है। बहुत कुछ बाकी है। मोदी ने शनिवार को अजमेर के पुष्कर के मेला मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया।

भाजपा सरकार 80 करोड़ लोगों को फ्री अनाज दे रही

■

कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग जैसी सोच देश तोड़ना चाह रहे

कांग्रेस का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा

कांग्रेस के घोषणापत्र 'न्याय पत्र' को 'झूठ का पुलिंदा' करार देते हुए मोदी ने कहा, कांग्रेस ने एक झूठ का पुलिंदा जारी किया। कांग्रेस को बेनकाब करने वाला यह घोषणा पत्र है।' 'आप देखिए, हर पन्ने पर भारत के टुकड़े करने की बू आ रही है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है जो सोच आजादी के समय मुस्लिम लीग में थी। मुस्लिम लीग के उस समय के विचारों को कांग्रेस आज भारत पर थोपना चाहती है।'

विपक्ष पर तीखे प्रहार

मोदी ने कहा, कांग्रेस जहां रहती है वहां विकास हो ही नहीं सकता। कांग्रेस ने न कभी गरीबों की परवाह की और न ही कभी वंचितों, शोषितों एवं युवाओं के बारे में सोचा।' कांग्रेस के लिए यही कहा जा सकता है-एक तो करेला, दूसरा नीम चढ़ा। एक तो परिवारवादी पार्टी और दूसरा उतना ही भ्रष्टाचारी पार्टी।' मोदी ने राजस्थान में कांग्रेस की पिछली सरकार पर भी निशाना साधा।

नड्डा ने राज्यसभा सदस्य की शपथ ली

नई दिल्ली। (एजेंसी) भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को संसद भवन में नड्डा को गुजरात से राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य के रूप में शपथ दिलाई।

एसीबी की पावर घटाई, सीएस और पावरफुल

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश में लगातार शक्तिशाली होती जा रही एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) की पावर कुछ कम कर दी गई है। अब एसीबी सीधे लोकायुक्त हरियाणा को अपनी जांच रिपोर्ट नहीं भेज सकेगा। उसे रिपोर्ट पहले सरकार के मुख्य सचिव के पास भेजनी होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व में लिए गए फैसले को पलटते हुए एसीबी की पावर को कम कर दिया है। इससे लगातार मजबूत हो रहे ब्यूरो को झटका लगा है। हालांकि नए आदेशों को लेकर कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

सीएम नायब सैनी ने पूर्व का फैसला पलटा

कई अफसरों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

एसीबी पूर्व में राज्य के कई अफसरों पर भ्रष्टाचार को लेकर कार्रवाई को अंजाम दे चुकी है। इस कारण भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों की नींद हराम हो चली है। हालांकि जिन अफसरों और कर्मियों के विरुद्ध जांच पूरी कर ली गई हैं, उनके विरुद्ध शिकंजा कसने की तैयारी है।

लोकायुक्त ने जारी किए आदेश

लोकायुक्त हरियाणा की ओर से भी कई मामलों में एसीबी को आदेश जारी करते हुए जांच के लिए कहा था। कुछ मामले इस तरह के भी थे, जिनमें पहले ही ब्यूरो अथवा संबंधित अन्य संस्था की ओर से पहले ही निर्णय हो चुका था। इस तरह से की सरकार द्वारा इस तरह के मामलों को लेकर मामलों की पूरी जानकारी, रिपोर्ट सहित तमाम बिंदुओं को सीएस ऑफिस को जानकारी देना जरूरी होगा।

चुनाव आयोग की साइट हैक करने का मामला

बड़ी कार्रवाई

आप की चुनावी रैली की परमिशन को रद किया उस पर गालियां लिख दी थी

कैथल एसडीएम कम सहायक निर्वाचन अधिकारी ब्रह्म प्रकाश निलंबित, दो पकड़े

पांच कर्मचारियों को पहले ही किया जा चुका सस्पेंड

कैथल (हरिभूमि न्यूज)। चुनाव आयोग की वेबसाइट हैक करने व आम आदमी पार्टी द्वारा मांगी गई रैली की अनुमति को लेकर अभद्र गालियां लिखकर रैली की परमिशन रद करने के मामले में चुनाव आयोग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कैथल के सहायक चुनाव अधिकारी एवं एसडीएम ब्रह्म प्रकाश को निलंबित कर दिया है। पुलिस ने शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के दस्तावेज खंगाले व मामले में संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग के कंप्यूटर ऑपरेटर शिवांग और उसके दोस्त प्रवीण को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ में जुटी है।

यह है मामला

बृहस्पतिवार को आप नेता शुभम ने कैथल में रैली करने को लेकर चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अनुमति मांगी थी। वेबसाइट ऑपरेट करने वाले वाले कंप्यूटर ऑपरेटर ने अनुमति देने के स्थान पर अभद्र गालियां दी और हरियाणवी भाषा का अभद्रता से प्रयोग किया। इसके बाद रैली की अनुमति नहीं दी। बाद में अधिकारियों ने वेबसाइट हैक करने का मामला बताया। शुक्रवार को साइबर पुलिस ने एक जूनियर इंजीनियर सहित पांच कर्मचारियों को सस्पेंड किया था। साइबर सेल प्रभारी शिव कुमार ने बताया कि हम जांच कर रहे हैं।

'मितरों, भ्रष्टाचारियों के ख़िलाफ़ एक्शन लूंगा'
एक-एक को जुमला पार्टी में भर लूंगा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जनहित में जारी.

चुनाव

भाजपा के सामने कांग्रेस की बराबरी तो कांग्रेस के समक्ष भाजपा को रोकने की चुनौती

2019 से पहले भाजपा ने कारगिल युद्ध के बाद इनेलो के साथ गठबंधन कर 1999 में 10 सीटों पर हासिल की थी जीत। 2019 में अकेले अपने दम पर जीती थी दस सीटें

प्रदेश में कांग्रेस ने तीन बार जीती सभी 10 सीटें तो तीन बार शून्य रहा स्कोर, भाजपा दो बार कर चुकी क्लीन स्वीप

मोहन भारद्वाज ▶▶ रोहतक

हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस के बीच केवल हार जीत ही नहीं, बल्कि एक दूसरे के रिकार्ड की बराबरी करने व रोकने की भी चुनौती रहेगी।

एक नवंबर 1966 को संयुक्त पंजाब से अलग हुए हरियाणा में कांग्रेस ने अब तक तीन बार प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटों पर अपनी जीत का परचम लहराया है तथा तीन बार शून्य पर रहने का रिकार्ड भी अपने नाम दर्ज किया है। कारगिल युद्ध के बाद पहली बार इनेलो के साथ गठबंधन

में प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटें जीत चुकी भाजपा 2024 में 2019 का रिकार्ड दोहरा पाई तो प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीट जीतने के मामले में कांग्रेस के बराबर आकर खड़ी हो जाएगी। 12 मार्च को हुए सत्ता परिवर्तन के बाद पार्टी के बड़े नेताओं में बढ़े आपसी मतभेदों व विपक्ष पार्टियों की एकजुटता से भाजपा के लिए 2019 के रिकार्ड को दोहरा पाना इतना आसान नहीं होगा।

इमरजेंसी के बाद 1977 में हुए चुनाव में भी खाता नहीं खोल पाई

कांग्रेस ने 2019 से पहले कांग्रेस हरियाणा बनने के बाद इमरजेंसी के बाद 1977 में हुए पहले चुनाव में अपना खाता नहीं खोल पाई थी। इसके बाद 1999 में कारगिल युद्ध के बाद हुए चुनाव में भाजपा इनेलो गठबंधन ने प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को धूल चटाई थी।

दोनों दलों में भितरघात का भी खतरा

2024 के चुनाव में भाजपा व कांग्रेस दोनों दलों में भितरघात का खतरा बना हुआ है। 2005 में कांग्रेस को मिले बहुमत के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा के प्रदेश की सत्ता के शिखर पर पहुंचने के बाद कांग्रेस खेमों में बंट गई थी तथा 2009 के बाद नेताओं के बीच दूरी की खाई बढ़ती चली गई। हुड्डा के लगातार बढ़ते प्रभाव से भजनलाल के बाद चौ. बीरेंद्र सिंह, राव इंद्रजीत सिंह, डॉ. अरविंद शर्मा व अशोक तंवर जैसे कई नेता पार्टी छोड़ गए। जबकि हाईकमान तक सीधी पहुंच से कुमारी सैलजा, किरण चौधरी व रणदीप सिंह सुरजेवाला जैसे नेता पार्टी में रहकर ही बर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। 12 मार्च को मनोहर लाल की जगह नायब सैनी को प्रदेश की सत्ता सौंपने से भाजपा की स्थिति भी सहज नहीं दिख रही है। मुख्यमंत्री नायब सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के खुद घर जाकर मिलने की पहले के बाद भी विज की पार्टी से नाराजगी की चर्चाएं कम नहीं हो रही हैं।

पूरी खबर की जानकारी के लिए स्कैन करें

10 जीती और फिर चार हारी: 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव में कांग्रेस ने प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटों पर जीत का परचम लहराया। चुनाव के बाद सांसदों की मौत से सिरसा व फरीदाबाद की सीट खाली हो गई। रोहतक से हरद्वारी लाल व भिवानी से बंशीलाल ने त्यागपत्र दे दिया। खाली होने के बाद उपचुनाव में कांग्रेस चारों सीटों पर चुनाव हार गई थी। जिससे आम चुनाव में 10 सीटें जीतने वाली कांग्रेस के पास उपचुनाव के बाद केवल छह सीटे ही बची।

सियासी हलचल

कांग्रेस का घोषणापत्र देश की जनता के साथ धोखा

चंडीगढ़। प्रदेश के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को जारी किए चुनावी घोषणा पत्र पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है देश के साथ इससे बड़ा धोखा नहीं हो सकता, क्योंकि कांग्रेस अकेले चुनाव नहीं लड़ रही है गठबंधन के साथ लड़ रही है और गठबंधन के किसी भी सहयोगी ने इस घोषणा पत्र पर अपने हस्ताक्षर नहीं किये। विज कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए फिर कहा कि अकेले कांग्रेस, जिसकी पिछली बारी लोकसभा की 40 सीट आई थी और इस बार वो भी नहीं आती। उन्होंने आप सांसद संजय सिंह ने जेल से आने के बाद मीडिया को दिए बयान की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि आप की पोल देश की जनता के सामने खुल चुकी है। पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त है।

पांच न्याय और 25 गारंटी के साथ सर्वश्रेष्ठ सरकार देने का वादा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव, हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, उत्तराखंड प्रभारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र हमारे देश की बेहतरी के लिए हमारे वादों को दर्शाता है। पांच न्याय और 25 गारंटी के माध्यम से हम हर भारतीय के लिए सर्वश्रेष्ठ का वादा करते हैं। देशवासी इस नए संकल्प के साथ भारत के नए और सुनहरे कल के निर्माण के लिए आगे आए और कांग्रेस का हाथ मजबूत करें। सैलजा ने कहा है कि कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में रोजगार, सामाजिक न्याय के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की बात की है।

दिग्गजों के उतरने से हॉट सीट बना कुरुक्षेत्र

हैट्रिक पर बीजेपी, एंट्री पर आप और वापसी पर इनेलो की निगाहें

तरूण वधवा ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में छठे चरण में 25 मई को लोकसभा आम चुनाव 2024 के मतदान होंगे। नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 6 मई 2024 है। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट भाजपा के लिए इस बार महत्वपूर्ण है। पार्टी यहां से जीत की हैट्रिक लगाना चाहती है। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर भाजपा के सामने जीत की हैट्रिक की चुनौती है तो वही आप व इनेलो जीत के लिए संघर्ष कर रही है।

वही जननायक जनता पार्टी ने अभी उम्मीदवार की घोषणा नही की है। कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर भाजपा की वापसी मोदी लहर के कारण ही संभव हो सकी। वर्ष 2014 में इस सीट से राजकुमार सैनी और वर्ष 2019 में इस सीट से नायब सिंह सैनी ने जीत हासिल की। इस बार इस सीट से भाजपा की ओर से नवीन जिंदल, इंडिया गठबंधन की ओर से आप के उम्मीदवार डा. सुशील गुप्ता व इनेलो के उम्मीदवार अभय चौटाला चुनावी मैदान में है। आम आदमी पार्टी इस सीट को किसी भी तरह जीतना चाहती है ताकि पार्टी की हरियाणा में एंट्री हो सके। इनेलो के सामने इस सीट को खुद के बूते वापस अपने खाते में लाने की चुनौती है। दिग्गजों के उतरने से मुकाबला रोचक हो गया है।

रोचक तथ्य

- संसदीय क्षेत्र से गुलजारी लाल नंदा दो बार जीते और दो बार कार्यकारी प्रधानमंत्री बने
- कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट का गठन 1977 में किया गया था
- इससे पहले यह क्षेत्र कैथल लोकसभा के तहत आता था
- पूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री एवं तत्कालीन सांसद गुलजारी लाल नंदा ने इस लोकसभा सीट कैथल का नाम बदलकर कुरुक्षेत्र लोकसभा करवाया
- गुलजारी लाल नंदा चौथी 1967-71 और 5वीं लोकसभा 1971-77 तक कैथल सीट से सांसद बने औरकार्यवाहक प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचे

कैलाशो सैनी ही एक मात्र महिला सांसद चुनीं गईं

हरियाणा प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों में से कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट का इतिहास प्रतिष्ठापूर्ण रहा है। इस संसदीय क्षेत्र से गुलजारी लाल नंदा दो बार जीते और दो बार कार्यकारी प्रधानमंत्री बने। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट का गठन 1977 में किया गया था। इससे पहले यह क्षेत्र कैथल लोकसभा के तहत आता था। पूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री एवं तत्कालीन सांसद गुलजारी लाल नंदा ने इस लोकसभा सीट कैथल का नाम बदलकर कुरुक्षेत्र लोकसभा करवाया और तभी से यह कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट के नाम से जाने जानी लगी। गुलजारी लाल नंदा चौथी 1967-71 और 5वीं लोकसभा 1971-77 तक कैथल सीट से सांसद बने और देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचे। इस सीट पर कांग्रेस को 1984, 1991, 2004 और 2009 में जीत हासिल हुई। इस संसदीय क्षेत्र से सिर्फ कैलाशो सैनी ही एक मात्र महिला सांसद चुनीं गई। कैलाशो अब भाजपा में हैं। उन्होंने 1999 के चुनाव कांग्रेस के ओपी जिंदल को हराया। जबकि 1998 में कांग्रेस के कुलदीप शर्मा को हराया।

2004 में नवीन ने अभय को हराया

वर्ष 2004 में नवीन जिंदल पहली बार कांग्रेस की टिकट पर कुरुक्षेत्र से चुनाव लड़ रहे थे। उनके खिलाफ इनेलो के नेता अभय सिंह चौटाला मैदान में उतरे। इस चुनाव में नवीन ने अभय को एक लाख 30 हजार मतों के बड़े अंतर से हराया था। 2009 में वे दोबारा से सांसद चुने गए थे। वर्ष 2014 में भाजपा के राजकुमार सैनी ने चुनाव जीता। उन्हें चार लाख 18 हजार 112 वोट मिले। दूसरे नंबर पर इनेलो के बलबीर सैनी थे, जिन्हें दो लाख 88 हजार 376 वोट हासिल हुए। नवीन जिंदल 287722 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर रहे थे। इस चुनाव में कांग्रेस को कुरुक्षेत्र में 20 प्रतिशत वोटों का नुकसान हुआ था। यह मोदी लहर की वजह से रहा।

हिसार

कांग्रेस, इनेलो व जजपा के मैदान में न आने से चुनावी सरगर्मियां ठंडी

फिलहाल अकेले भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह ही चला रहे प्रचार अभियान। मुख्यमंत्री कर चुके विजय संकल्प रैली

सभी उम्मीदवारों की घोषणा के बाद ही होगी उत्सुकता खत्म, कांग्रेस, इनेलो व जजपा में कई नामों पर चल रही चर्चा

राजेश्वर बैनीवाल ▶▶ हिसार

लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। सभी पार्टियां अपनी अपनी जीत के दावे कर रही है वहीं अपने हिसाब से उम्मीदवारों की घोषणा करके उनकी जीत के प्रयास में लगी है। इसी बीच हिसार लोकसभा क्षेत्र से अभी तक केवल भाजपा ने ही रणजीत सिंह चौटाला को उम्मीदवार घोषित किया है। उनके अलावा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, भाजपा की सहयोगी रही जजपा या इनेलो ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं, जिसके चलते क्षेत्र के लोगों में उम्मीदवारों के प्रति उत्सुकता बनी हुई है।

नहीं खोले पत्ते

हिसार लोकसभा क्षेत्र की बात की जाए तो सबसे पहले सत्तारूढ़ भाजपा ने रणजीत सिंह चौटाला को अपना उम्मीदवार घोषित किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल पिछले दिनों उनके चुनाव कार्यालय का शुभारंभ भी कर चुके हैं और उन्होंने अपना चुनाव प्रचार भी शुरू कर रखा है। इसके बावजूद उनका चुनाव प्रचार अभी तक गति नहीं पकड़ रहा है, जिसके कई कारण माने जा रहे हैं। हरियाणा में छठे चरण में चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल उम्मीदवारों की घोषणा बारे जल्दबाजी में नहीं है। इन दलों का मानना है कि यदि जल्द उम्मीदवार घोषित कर दिए गए तो अन्य दावेदार नाराज हो सकते हैं, जिसका नुकसान पार्टी को झेलना पड़ सकता है।

मंथन

जातीय समीकरण भी परखे जा रहे

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा सहित अन्य दलों व नागरिकों की उत्सुकता बढ़ा रखी है। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि कांग्रेस का उम्मीदवार कौन होगा। हालांकि राजनीति के जानकार यह भी मान रहे हैं कि यदि एक-दो मजबूत उम्मीदवारों को उतारा गया तो यह सीट कांग्रेस के लिए फायदेमंद हो सकती है। जातीय समीकरण भी परखे जा रहे।

चंद्रमोहन की चर्चा

चंद्रमोहन, बृजेंद्र और चंद्रप्रकाश जांगड़ा के नामों पर चर्चा

कांग्रेस का उम्मीदवार कौन होगा, यह तो पार्टी को तय करना है लेकिन इस समय पूरे लोकसभा क्षेत्र में पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रमोहन बिश्नोई के नाम की चर्चा आम है। चुनाव में परिणाम क्या रहे, यह तो अंतिम समय तक कहना नामुमकिन है लेकिन क्षेत्र में जो चर्चा है, उसके अनुसार चंद्रमोहन ही कांग्रेस की नैया पार लगा सकते हैं। हालांकि हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सांसद बृजेन्द्र की चर्चा भी सामने आई लेकिन अपने कार्यकाल के दौरान लोगों से बनाई दूरी, उनकी मजबूती में आड़े आ रही है। सेवानिवृत आईएएस चन्द्रप्रकाश जांगड़ा भी कांग्रेस दावेदारों में बने हुए हैं।

सिरसा पहुंचे मनोहर ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा

- **बोले, किसी भी सीट पर नहीं बदला जाएगा प्रत्याशी, सभी सीटें जीतने का किया दावा**

सिरसा। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को पार्टी प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर के प्रचार को गति देने सिरसा पहुंचे। वायुमार्ग से सिरसा पहुंचे मनोहर लाल ने पार्टी के कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। सबसे पहले उन्होंने पार्टी के स्थापना दिवस पर निकाली गई मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उसके बाद पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। मनोहर लाल पार्टी उम्मीदवार डॉ. अशोक तंवर के आवास पर भी पहुंचे और पारिवारिक सदस्यों के साथ मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने पार्टी के एफ ब्लॉक स्थित कार्यालय पहुंच कर चुनाव प्रचार को लेकर दिशा निर्देश दिए।

विपक्ष पर साधा निशाना

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दावा किया कि हरियाणा की दस की दस लोकसभा सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। कुछ स्थानों पर उम्मीदवार बदले जाने के चर्चाओं पर विराम लगाते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा गया है उन्हें किसी भी सूरत में नहीं बदला जाएगा। विपक्ष का काम है कहना और वे कहते रहेंगे और हम अपना काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत को फिर से विश्व गुरु बनाना है। उनके इस सपने को मूर्त रूप देने के लिए अथाह जनसहयोग जरूरी है।

पहले नवरात्र को कांग्रेसी होंगे बीरेंद्र सिंह

उचाना। पहले नवरात्र को भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह कांग्रेस में घर वापसी करेंगे। दिल्ली के 24 अकबर रोड पर कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में वो कांग्रेस का दामन थामेंगे। बीरेंद्र सिंह अपने हजारों साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल होंगे। बीते दिनों बीरेंद्र सिंह ने दावा किया था कि उनके साथ मौजूद विधायक भी कांग्रेस में शामिल होंगे। ऐसे में अब नौ अप्रैल को पता लगेगा कि ये मौजूदा विधायक कौन है। पूर्व चेयरमैन, सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी सहित वो लोग भी कांग्रेस में वापसी करेंगे जो बीरेंद्र सिंह के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। लोकसभा चुनाव से पहले बीरेंद्र सिंह का कांग्रेस में जाना भाजपा के लिए हरियाणा के साथ-साथ पंजाब, हिमाचल, यूपी, राजस्थान, उत्तराखंड में भी बड़ा झटका है। इन राज्यों में भी बीरेंद्र सिंह के अच्छे खासे समर्थक है।

यमुनानगर — दशकों से बाढ़ का दंश झेलने को मजबूर हजारों किसान

लोकसभा हो या फिर विधानसभा चुनाव में नेता बाढ़ रोकथाम के वादे करके बटोर ले जाते हैं वोट

चुनाव आए और गए, मगर किसी दल ने नहीं सुनी किसानों के दिल की पीड़ा

भगवान सिंह राणा ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा के उत्तरी छोर पर स्थित यमुनानगर के हथनीकुंड बैराज से लेकर दिल्ली की सीमा तक वाया करनाल व सोनीपत के संसदीय क्षेत्र से होकर बह रही प्राचीन यमुना नदी की बाढ़ का दंश दशकों से नदी किनारे बसे सैकड़ो गांव के हजारों किसान झेलने को मजबूर हैं। हर बार बाढ़ के कहर में किसानों की हजारों एकड़ फसल तबाह हो जाती हैं।

समाधान की मांग

मगर अभी तक यमुना नदी की बाढ़ की विभिषिता को रोकने के लिए किसी भी सरकार ने ठोस इंतजाम नहीं किया है। आलम यह है कि हर बार के लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा का चुनाव नेता वोट बटोरने के लिए किसानों को बाढ़ रोकथाम करने का आश्वासन देते हैं। मगर चुनाव संपन्न होते ही ना तो बाढ़ प्रभावित इलाके में चुनाव जीतने वाले नेता के दर्शन होते हैं और ना ही बाढ़ रोकने का कोई स्थाई इंतजाम किया जाता है। किसान हर बार मन मसोस कर रह जाते हैं और उनकी फसलें नदी की बाढ़ के पानी में तबाह हो जाती हैं। मगर इस बार नदी इलाके के लोग लोकसभा चुनाव में बाढ़ रोकथाम का स्थाई इंतजाम करने का ठोस समाधान चाहने के मूड में दिखाई दे रहे हैं।

वोट लेने के बाद भूल जाते हैं

यमुना नदी की बाढ़ से प्रभावित किसान कुशल पाल, मनोज कुमार, सुरेश कुमार, जितेंद्र कुमार, संदीप व रामबीर सिंह आदि का कहना है कि चुनाव के दौरान बाढ़ प्रभावित इलाके के किसान नेताओं से बाढ़ रोकने के लिए गुहार लगाते हैं। नेता उन्हें हर बार बाढ़ रोकने के इंतजाम करने का आश्वासन देते हैं। मगर बाद में वह वादा पूरा नहीं करते हैं। इसलिए इस बार किसान बाढ़ रोकथाम का ठोस आश्वासन चाहते है।

भूमि यमुना नदी में समा गई

अंबाला संसदीय क्षेत्र में यमुनानगर जिले के प्रताप नगर व कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में पड़ने वाले रादौर खंड समेत करनाल व सोनीपत संसदीय क्षेत्र के नदी किनारे पड़े वाले सैंकड़ो गांव नदी के बेहट में पड़ते हैं। बारिश के दिनों में यमुना नदी उफान पर आने से बाढ़ का कहर बरपाती है। नदी उफान पर आने से साथ लगते हजारों एकड़ में खड़ी फसलें बाढ़ के पानी में जलमग्न हो जाती हैं और किसानों को भारी नुक्सान उठाना पड़ता है। यही नहीं साथ लगते कई गांव की आबादी में भी कई कई फुट पानी भरने से भारी नुक्सान होता है। आलम यह है कि अधिकांश किसानों की खेती लायक भूमि यमुना नदी में समा गई है। मगर अभी तक इस बाढ़ से किसानों की फसलों को बचाने के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं।

किसान बोले, पार्टियां व नेता नहीं गंभीर

अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल व सोनीपत संसदीय क्षेत्र में बह रही यमुना नदी की बाढ़ रोकथाम के पुख्ता बंदोबस्त करने के लिए किसी भी ना तो राजनैतिक दल ने और ना ही किसी राजनीतिज्ञ ने गंभीरता से लिया। खास बात तो यह है कि अंबाला व कुरुक्षेत्र में पिछले दस वर्षों से भाजपा के सांसद हैं। वहीं, करनाल व सोनीपत में भी भाजपा के सांसद हैं। प्रदेश और देश में भी पिछले दस वर्षों से भाजपा की सरकार है। जिनके होते हुए भी यमुनानगर जिले का न तो विकास हुआ और ना ही बाढ़ का कहर थमा। इस बार किसान दलों के सामने यह मुद्दा उठाने की तैयारी कर रहे है।

AXIS BANK LTD.

स्वर्ण आभूषणों के रूप में गिरवीकृत परिसम्पत्तियों की ई-नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

कर्जदारों को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अकाउंट्स में गिरवी स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी नीचे वर्णित शाखा में ऐक्सिस बैंक द्वारा आयोजित की जानी प्रस्तावित है। नीचे वर्णित कर्जदारों ने प्रतिभूति के तहत बैंक के पक्ष में स्वर्ण आभूषणों की गिरवी ("स्वर्ण ऋण सुविधा") के तहत ऐक्सिस बैंक लिमिटेड से क्रेडिट सुविधा का लाभ प्राप्त किया। प्राप्त की गई स्वर्ण ऋण सुविधा के तहत उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिये कर्जदारों /गारंटरों का आह्वान करते हुये कर्जदारों / गारंटरों को डिमांड नोटिस जारी किये गये थे। चूंकि कर्जदारों/गारंटरों द्वारा बकाया ऋण राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहने पर, बैंक गिरवी का अवलम्ब लेने के लिये और यहां नीचे सम्पत्ति की अनुसूची में विशेषतः वर्णित गिरवीकृत स्वर्ण आभूषणों की एक ई-नीलामी बिक्री 17.04.2024 को अप. 12.30 बजे से अप. 3.30 बजे तक "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है", "जो भी है वहां है" और "अवलम्ब नहीं आधार" पर आयोजित करना प्रस्तावित करने के लिये बाध्य है।

कर्जदारों और बकाया राशि का विवरण

क्र. सं.	ग्राहक का नाम	ऋण अकाउंट नं.	बकाया राशि (रु. में)	वापसी सूचना की तिथि	कुल वजन	शुद्ध वजन
	बी.ओ. : चण्डीगढ़ [सीएच]					
1	सुयश कम्बोज	XXXXXXXXXXX2768	Rs. 4,34,652.00	25-02-2024	170.400	118.400
2	सुयश कम्बोज	XXXXXXXXXXX0169	Rs. 5,23,976.00	25-02-2024	138.200	132.700
3	सुयश कम्बोज	XXXXXXXXXXX0350	Rs. 5,58,232.00	25-02-2024	289.500	255.600
	बी.ओ. : अम्बाला महेश नगर एचआर					
4	जगदीश चौहान	XXXXXXXXXXX3776	Rs. 43,726.00	28-02-2024	12.100	11.700
	बी.ओ. : असंध एचआर					
5	दीपक राणा	XXXXXXXXXXX2550	Rs. 1,01,500.00	02-11-2023	28.820	26.950
	बी.ओ. : बादशाहपुर जीयूआर एचआर					
6	जस राम यादव	XXXXXXXXXXX8254	Rs. 58,097.00	20-09-2023	14.900	14.100
	बी.ओ. : बरवाला बीएडब्ल्यू एचआर					
7	राकेश कुमार	XXXXXXXXXXX5377	Rs. 2,76,066.00	17-01-2024	65.210	65.100
	बी.ओ. : भिवानी [एचआर]					
8	सचिन शर्मा	XXXXXXXXXXX5399	Rs. 37,714.68	28-12-2023	12.700	11.870
	बी.ओ. : गोहाना एचआर					
9	अमरजीत	XXXXXXXXXXX7652	Rs. 3,59,872.00	17-01-2024	93.300	87.100
10	अमित	XXXXXXXXXXX4014	Rs. 4,65,400.00	25-02-2024	141.800	125.000
	बी.ओ. : जीन्द [एचआर]					
11	सुरेश कुमार	XXXXXXXXXXX8055	Rs. 37,913.00	28-12-2023	9.200	9.000
	बी.ओ. : मॉडल टाउन पानी पीपीटी एचआर					
12	विष्णु	XXXXXXXXXXX0575	Rs. 34,780.00	28-02-2024	10.300	9.300
	बी.ओ. : पट्टी अफगान केआईटी एचआर					
13	कुलदीप	XXXXXXXXXXX6637	Rs. 98,800.00	20-11-2023	27.000	25.400
	बी.ओ. : सिरसा [एचआर]					
14	नीरज	XXXXXXXXXXX4700	Rs. 1,61,656.00	17-01-2024	39.900	37.900
	बी.ओ. : यमुनानगर [एचआर]					
15	मैन्स कुमार	XXXXXXXXXXX0134	Rs. 1,40,390.00	20-02-2024	35.600	34.100

ऐक्सिस बैंक लि. कोई पूर्व सूचना दिये बिना अकाउंट को हटाने / नीलामी तिथि परिवर्तित करने का अधिकार रखता है। नीलामी अप. 12.30 बजे से अप. 3.30 बजे के बीच ऑनलाइन HTTPS://GOLD.SAMIL.IN आयोजित की जाएगी।
विस्तृत नियम व शर्तों हेतु, कृपया दी गई वेबसाइट HTTPS://GOLD.SAMIL.IN को लॉग इन करें।

स्थान : हरियाणा, दिनांक : 07.04.2024 — हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, ऐक्सिस बैंक लि.

खबर संक्षेप

नूंहः गर्भपात करते समय युवती की मौत, प्रेमी काबू

नूंह। नूंह जिले में झारखंड की एक युवती से दरिंदगी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि 28 वर्षीय ईसाई युवती की एक निजी अस्पताल में गर्भपात के दौरान मौत हो गई। युवती की मौत के बाद गर्भपात कराने वाला युवक शव को अपने साथ ले गया और उसे ठिकाने लगाने की कोशिश की, लेकिन वह अपने ही जाल में फंस गया। जिसे सिटी पुलिस नूंह ने अपने शिकंजे में ले लिया है और गर्भपात कराने वाले डॉक्टर और उसकी सहयोगी की तलाश में पुलिस जुट गई है।

करोड़ों की ठगी मामले में मुकदमा दर्ज

नूंह। नूंह डाकखाने में भारत जीवन बीमा निगम के नाम पर करोड़ों रुपये की रकम जमा करने के नाम पर ठगी करने वाले दो एजेंट के खिलाफ सिटी थाना नूंह में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दोनों एजेंट पिछले काफी समय से भूमिगत हैं। अब उनकी तलाश में नूंह पुलिस जुट गई है। मुकदमा दर्ज होने के बाद ठगी के शिकार हुए लोगों ने कुछ राहत की सांस जरूर ली है। डाकघर नूंह के अधिकारी - कर्मचारी भी संदेह के घेरे में हैं।

होडल और जींद में विजय संकल्प रैली में सीएम सैनी की दो टूक

प्रदेश में गुंडागर्दी अब नहीं होगी बर्दाश्त, लोगों के काम प्राथमिकता से निपटाएं अधिकारी

- कांग्रेस ने देश के साथ अन्याय किया, जबकि मोदी सरकार ने गारंटी के साथ न्याय दिया
- जींद में कार्यकर्ताओं से कहा डबल इंजन सरकार ने देश की दिशा व दशा को बदला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पलवल/जींद

होड़ल के औरंगाबाद की विजय संकल्प रैली में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मोदी सरकार को न्याय करने वाली सरकार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर वर्ग के साथ न्याय किया है और अपनी कल्याणकारी नीतियों से देश को विकास की पटरी पर चढ़ाया है, जबकि कांग्रेस ने कभी भी देश के साथ न्याय नहीं किया। मुख्यमंत्री ने मंच से अधिकारियों को भी कहा कि अफसर जनता का काम करने में कोई कोताही ना बरतें। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुंडागर्दी करने वाले तत्वों को भी स्पष्ट संदेश दिया कि हरियाणा में अब गुंडागर्दी करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। सीएम ने सबसे पहले भाजपा के कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें गर्व हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के सदस्य हैं, जिसके 18 करोड़ से ज्यादा मेंबर है। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा की स्थापना हुई थी तब भाजपा के मात्र 2 सांसद थे। 2019 में देश ने 303 सांसद भाजपा को दिए हैं। सैनी ने कहा कि अब तो देश के साथ-साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे भी बोल रहे हैं अबकी बार 400 पार। उन्होंने कहा कि 6 जून को देश नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना रहा है। कांग्रेस को घेरते हुए नायब सैनी ने कहा कांग्रेस ने 55 साल देश में शासन किया और अब कांग्रेस को वोट लेने के लिए गारंटी देनी पड़ रही है।

तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर देश और करेगा तरक्की

चंडीगढ़। होड़ल के औरंगाबाद की विजय संकल्प रैली में गदा हिलाकर अभिवादन स्वीकारते मुख्यमंत्री नायब सैनी।

देशवासियों को अब मोदी की गारंटी पर भरोसा

सीएम ने कहा- देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस को समझ चुकी है। देशवासियों को अब एक ही गारंटी पर भरोसा है और वह गारंटी मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने रेवाड़ी से पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक, वन पेंशन की गांरटी दी और उसे पूरा किया। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने मैनीफेस्टों पर न्याय की बात कही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कांग्रेस ने ना कभी न्याय किया है और ना कभी न्याय कर सकती।

भाजपा के 44वें स्थापना दिवस पर सीएम ने फरीदाबाद कार्यालय पर झंडा फहराया

फरीदाबाद। भाजपा ने अपना 44वां स्थापना दिवस प्रदेशभर में मंडल स्तर पर मनाया। विधानसभा और जिला स्तर पर बाइक रैली और पैदल यात्राएं भी भाजपा के झंडे के साथ प्रदेशभर में निकाली गई। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के संस्थापकों को याद किया और अपने-अपने घरों और कार्यालयों पर पार्टी का झंडा फहराया। खुद मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने फरीदाबाद के अटल कमल कार्यालय पर पहुंचकर पार्टी का झंडा फहराया और उपस्थित कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी। यहां केंद्रीय मंत्री गुर्जर, मूलचंद शर्मा, शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा सहित अनेक नेता उनके साथ रहे। दूसरी तरफ भाजपा के संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने रोहतक कार्यालय पर पार्टी का झंडा फहराया।

कांग्रेसी नेता महिलाओं का कर रहे अपमान

मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने कहा कि 55 सालों तक सत्ता सुख भोगने वाली कांग्रेस अपनी नाकामियों के कारण बौखला रही है। कांग्रेस नेता हताशा में अनाप-शनाप बयान देकर महिलाओं का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस बात की भी पीड़ा है कि मोदी सरकार गरीबों के हितों के लिए लगातार काम कर रही है। ये बातें सैनी ने बीजेपी के भाजपा चंडीगढ़ कार्यालय कमलम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

भारत जोडो यात्रा करने वाले अपने पूर्वजों से पूछें भारत किसने तोड़ा

जींद। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि भारत जोडो यात्रा करने वालों पहले अपने पूर्वजों से पूछें कि देश को किसने तोड़ा। न्याय मांगने वालों की लंबे समय तक राज करने के दौरान उन्होंने जनता के साथ अन्याय किया। अब विपक्ष खुद स्वीकार कर रहा है फिर से भारी बहुमत के साथ पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में भाजपा सरकार बनेगी। उन्होने डबल इंजन सरकार के कार्य भी गिनवाए। सीएम नायब सिंह सैनी शनिवार को नई अनाज मंडी में आयोजित भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र जारी करने से पहले अपने पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को देखना चाहिए था।

चुनावी मौसम में फिर सक्रिय हुए चर्चित आईएएस खेमका

- लिखा है कि शासक की मंशा कमजोर क्यों?
- डीएलएफ लैंड डील विवाद पर खेमका फिर हुए सक्रिय

चंडीगढ़। एक दौर में अक्सर मीडिया की सुर्खियों और चर्चाओं में आने वाले अशोक खेमका भले ही कुछ वक्त से शांत चल रहे हों लेकिन चुनावी मौसम आते ही खेमका भी सक्रिय हो गए हैं। चर्चित डीएलएफ लैंड डील विवाद पर आईएएस अशोक खेमका ने एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल X पर एक बार फिर लिखा है -वाड्रा-डीएलएफ सौदे की जांच सुस्त क्यों चल रही ? 10 साल हुए, और कितनी प्रतीक्षा होगी? ढींगरा आयोग की रिपोर्ट भी ठंडे बस्ते में? पापियों की मौज? उन्होंने यह भी लिखा है कि शासक की मंशा कमजोर क्यों? प्रधानमंत्री का देश को वर्ष 2014 में दिया गया वचन एक बार ध्यान तो किया जाए।इससे पहले खेमका ने 11 माह पहले भी लगातार दो ट्वीट कर लैंड डील को लेकर सवाल खड़े किएथे। अशोक खेमका मार्च 2023 में मामले में वित्तीय लेन देन की जांच को लेकर सरकार के द्वारा गठित की नई एसआईटी पर भी सवाल खड़े कर चुके हैं। वह कह चुके हैं कि क्या पुलिस तहकीकात का भी यही हश्र होगा ? जिन्हें कटघरे में खड़ा होना चाहिए था, वह हाकिम बने हुए हैं। उन्होंने न्याय नीति पर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि यह कैसी न्याय नीति है? आईएएस खेमका ने 11 माह पहले भी दो ट्वीट कर इस लैंड डील को लेकर सवाल उठाए थे। खेमका मार्च 2023 में मामले में वित्तीय लेन देन की जांच को लेकर सरकार के द्वारा गठित की गई नई एसआईटी पर भी सवाल खड़े कर चुके हैं।

भाजपा ने बनाया था राष्ट्रीय मुद्दा

अशोक खेमका ने कांग्रेस सरकार के समय वाड्रा डीएलएफ लैंड डील को लेकर सवाल खड़े किए थे। भाजपा ने इसे चुनाव के दौरान राष्ट्रीय मुद्दा बनाया था। 2014 के चुनाव में इस लैंड डील को लेकर पार्टी ने प्रचार सामग्री तक छपवाई थी, लेकिन पार्टी सत्ता में आई तो इस मामले में कोई भी कार्रवाई अभी तक नहीं की गई।

खेमका की नाराजगी की वजह

खेमका ने वाड्रा-डीएलएफ लैंड डील उजागर की थी। हालांकि इसके बाद तत्कालीन सरकार ने 11 अक्टूबर 2012 को रात 10 बजे खेमका का ट्रांसफर कर दिया था। अगले रोज 12 अक्टूबर को खेमका ने लाइसेंस की कालाबाजारी मानते हुए जांच के आदेश दिए। ट्रांसफर के खिलाफ चीफ सेक्रेटरी को ज्ञापन देकर जांच की मांग की।

प्रचार के साथ विरोध की बानगी मुश्किल हो रही 'अरविंद' की राह

- पिछला प्रदर्शन दोहराना भाजपा प्रत्याशी के लिए आसान नहीं
- सरकार में भागीदारी नहीं मिलने से कोसली के लोग नजर आ रहे नाराज

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

पिछले लोकसभा चुनावों में अकेले कोसली हलके से लगभग 1.18 लाख वोट लेने के बाद भी मामूली अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा पर जीत दर्ज करने वाले भाजपा प्रत्याशी डा. अरविंद शर्मा की मुश्किलें इस बार कोसली में ही सबसे ज्यादा बड़ती नजर आ रही हैं। सांसद बनने के बाद हलके के लोगों से दूरी बनाना उन्हें प्रचार अभियान के दौरान ही महंगा पड़ने लगा है। कई गांवों में उनका विरोध भी देखने को मिल रहा है, जिससे इस बार कोसली में प्रदर्शन दोहराना भाजपा प्रत्याशी के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। डा. शर्मा से लेकर भाजपा के शीर्ष नेताओं तक को इस बात की जानकारी है कि अगर गत लोकसभा चुनावों में अरविंद शर्मा को अकेले कोसली में कांग्रेस के मुकाबले इतने अधिक वोट नहीं मिलते, तो पार्टी इस सीट को किसी भी सूरत में हासिल नहीं कर पाती। इसके बावजूद हलके के लोगों का दिल जीतने के लिए न तो सांसद पूरी तरह एक्टिव रहे और न ही भाजपा के सीनियर नेताओं ने हलके की ओर ज्यादा ध्यान दिया। वर्ष 2014 में भी हलके के लोगों ने भाजपा का खुलकर साथ दिया था। इसके बदले प्रदेश सरकार में हलके को मंत्री दिया गया था। इस बार प्रदेश सरकार में हलके को भागीदारी तक नहीं मिली। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव को भाजपा के लिए खास साबित हो चुके इस हलके से मंत्री नहीं बनाया गया। इससे भी नारजगी व्याप्त है।

रेवाड़ी। सुधराना में अरविंद शर्मा से बहस करते हुए एक ग्रामीण।

भाजपा के दबाव के काम कर रहा चुनाव आयोग : डॉ. सुशील गुप्ता

कैथल। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कुरुक्षेत्र लोकसभा से इंडी गठबंधन के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने शानिवार को कैथल की अनाज मंडी में डोर टू डोर अभियान चलाया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला मौजूद रहे। उन्होंने पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग को पंगु बना दिया है। सबसे पहले इन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदला। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि चुनाव निष्पक्ष हो इसके लिए चुनाव आयुक्त की नियुक्ती के लिए देश का प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश का पैनल बने, जिसको भाजपा ने बदल दिया। भाजपा ने चुनाव घोषणा से ठीक पहले मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा लेकर मर्जी से नए चुनाव आयुक्त को ज्वाइन करवाया।

भाखड़ा नहर में गिरी कार, 50 मीटर दूर मिला पंजाब के युवक का शव

टोहाना। दमकौरा रोड पर सिंचाई विभाग कार्यालय के पास शनिवार अलसुबह एक होंडा सिटी कार अनियंत्रित होकर रेलिंग को तोड़ते हुए भाखड़ा नहर में जा गिरी। सुबह जैसे ही लोगों ने नहर में कार को देखा तो इस बारे पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और क्रेन की सहायता से कार को नहर से निकालने का काम शुरू करवाया। साथ ही गोताखोरों की टीम बुलवाकर नहर में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान गाड़ी से करीब 50 मीटर की दूरी पर पंजाब के एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान पंजाब के संगरूर क्षेत्र के लहरा गागा निवासी गगन के रूप में हुई है। मृतक गाड़ी में ही सवार था या नहीं, अभी यह क्लीयर नहीं हो पाया है।

किसान, मजदूर और कमेरों के मसीहा थे चौ. देवीलालः अभय चौटाला

चंडीगढ़। स्वर्गीय जननायक चौ. देवीलाल की 23 वीं पुण्यतिथि शनिवार को हरियाणा समेत पूरे देश में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और पूर्व उपप्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित स्वर्गीय चौ. देवीलाल की समाधि संघर्ष स्थल पर आयोजित किया गया जिसमें प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला समेत पूरे प्रदेश से आए इनेलो नेता, कार्यकर्ता एवं गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

रूबरू — पूर्व गृह एवं सेहत मंत्री अनिल विज से विशेष बातचीत

मोदी की आंधी में कोई टिकने वाला नहीं

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने साफ कर दिया है कि हालत को देखते हुए उन्होंने खुद मंत्री पद नहीं लिया। विज ने साफ कर दिया है कि चलते हुए विकास कार्यों में अगर अफसर ने रोड अटकाया तो उनकी गाड़ी में दरी भी रहती है। वे भाजपा के एक सिपाही हैं और पहले भी ज्यादा ताकत से काम करते रहेंगे। इस बार भी मोदी की आंधी है, इसलिए 4 सौ पार का नारा एक दम सही है। पूर्व मंत्री ने हरिभूमि के साथ में खास बातचीत के दौरान हर पहलू पर खुलकर जवाब दिए।

प्रश्न-आपको नहीं लगता मंत्री पद छोड़कर ठीक नहीं किया?

उत्तर-देखिये, इस तरह की कोई बात नहीं है, हरियाणा प्रदेश में एक वक्त में भाजपा की सरकार नहीं थी। मैं छह बार का विधायक हूं, विज ने कहा कि ताकत किसी पोस्ट में नहीं बल्कि व्यक्ति के हाथ में होती है।

प्रश्न-आप दावा करते हैं कि हरियाणा में भाजपा की सरकार आपके कारण बनी ?

उत्तर-मैने संघर्ष किया है, साथ ही भाजपा का झंडा चुनौतीपूर्ण वक्त में थामे रखा, सदन के अंदर और बाहर लड़ाई लड़ी है। प्रदेश के अंदर अकेले चुनाव लड़ने का सुझाव मेरा था।

प्रश्न- प्रदेश के अंदर जजपा और भाजपा ने मिलकर सरकार चलाई इसे किस तरह से देखते हैं, क्या समझौता रखना व तोड़ना ठीक है?

उत्तर-देखिये-समझौता रखना अथवा तोड़ना भाजपा हाईकमान का फैसला होता है, पार्टी का सिपाही होने के नाते हमेशा ही उन फैसलों का पालन किया है।

प्रश्न-क्या प्रदेश के अंदर क्षेत्रीय दल इस बार लोकसभा व विधानसभा चुनावों में हावी रहेंगे? या फिर राष्ट्रीय पार्टियों का दबदबा कायम रहेगा ?

उत्तर-देखिये मेरी राय में कुछ इलाकों में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव कुछ कुछ दिखाई दे सकता है लेकिन लोकसभा के इस चुनाव में पूरी तरह से राष्ट्रीय दलों के बीच ही मुकाबला होगा।

प्रश्न -मंत्रिमंडल गठन और प्रदेश में सीएम के चेहरे में बदलाव के बीच आपकी नाराजगी भी जबरदस्त चर्चा का विषय बनी रही, इसके पीछे क्या क्या कारण रहे ?

उत्तर-देखिये-मुझे पार्टी संगठन के सामने अपनी बात रखने का पूरा हक है, वहां पर बात रखता रहा हूं, कुछ विषय आंतरिक होते हैं जिनको सार्वजनिक करना ठीक नहीं है। इस बार होने वाले बदलाव के बारे में कोई भी जानकारी हमारे पास नहीं थी, इसलिए चौकाने वाला फैसला था।

खबर संक्षेप

ओडिशा के एनटीपीसी के प्लांट में लगी आग

अनुगुल। ओडिशा के अनुगुल जिले के तालचेर के कनिहा में स्थित एनटीपीसी के प्लांट में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग एनटीपीसी प्लांट में कन्वेयर बेल्ट में लगने की सूचना थी। इसकी सूचना फायरबिग्रेड को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंचीं। घटना के बाद पूरा क्षेत्र धुएं से भर गया है, जिससे कर्मचारियों और निवासियों में दहशत फैल गई।

विप्रो के सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो ने शनिवार को कहा कि उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थिएरी डेलापोर्टे ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बताया कि उनके स्थान पर श्रीनिवास पल्लिया को नया सीईओ बनाया गया है। उनकी नियुक्ति सात अप्रैल से पांच वर्षों के लिए प्रभावी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि विप्रो के बोर्ड ने छह अप्रैल, 2024 को डेलापोर्टे के इस्तीफे पर विचार किया।

- श्रीनिवास पल्लिया नये मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने

नदी में नहाने गए 5 बच्चे डूबे, 2 भाइयों की मौत

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी जिले में बड़ा हादसा हो गया। नदी में नहाने गए 5बच्चे अचानक डूबे गए। आनन-फानन में परिजन और गांव के अन्य लोगों ने गोताखोरों को बुलाया। गोताखोरों ने2भाइयों को बाहर निकाला। दो की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे अभी भी लापता हैं। टिकैत नगर थाना क्षेत्र के चिर्रा गांव के समीप स्थित सरयू में नहाने गए थे।

लोकसभा चुनाव से पहले जजों को सीजेआई चंद्रचूड़ की सलाह

वकीलों-जजों को संविधान के प्रति पूरी तरह वफादार और निष्पक्ष होना चाहिए

नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में कही यह बात

एजेंसी ▶▶ नागपुर

लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हर भारतीय का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों और जजों को संविधान के प्रति वफादार होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जजों को गैर-पक्षपातपूर्ण होने होना चाहिए।जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में कहा कि हमारे जैसे जीवंत और तर्कपूर्ण लोकतंत्र में, ज्यादातर लोगों का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। अरस्तू ने कहा था कि मनुष्य राजनीतिक प्राणी हैं और वकील कोई अपवाद नहीं हैं। देश के चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यायपालिका बार-बार अपनी अपनी स्वतंत्रता और गैर-पक्षपातपूर्णता, कार्यपालिका, विधायिका और निहित राजनीतिक हितों से शक्तियों के पृथक्करण के लिए आगे आई है।

बार काउंसिल सदस्यों को चीफ जस्टिस की सलाह

हमको यह नहीं भूलना चाहिए कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बार की स्वतंत्रता के बीच गहरा संबंध है। उन्होंने कहा कि एक संस्था के रूप में बार की स्वतंत्रता. क़ानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच के रूप में कार्य करती है।

सीजेआई ने पूछा यह सवाल

महिलाएं क्यों नहीं लड़ रहीं बार एसोसिएशन या बार काउंसिल का चुनाव?

सीजेआईचंद्रचूड़ ने पूरे भारत में बार काउंसिल और बार एसोसिएशन में महिलाओं की कमी को लेकर सवाल उठाए। सीजेआई ने कहा कि वकीलों का प्रतिनिधित्व करने वाले निकायों में महिलाओं के चुनाव ठीक माहौल नहीं है। ओल्ड बॉय क्लब को अभी भी कायम रखा जा रहा है।सीजेआई ने कहा कि हालांकि, महिला वकीलों की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह निर्वाचित बार काउंसिल और बार एसोसिएशन में देखने को नहीं मिलता है।

फैसला सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है

सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठों के फैसले कठोर कार्यवाही, संपूर्ण कानूनी विश्लेषण और संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद, यह सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है। एक संस्था के रूप में हमारे कंधे चौड़े हैं। हम तारीफ और आलोचना, दोनों को स्वीकार करते हैं। यह भले ही पत्रकारिता, राजनीतिक टिप्पणी या सोशल मीडिया के माध्यम से ही क्यों न हो? अदालत के फैसलों पर प्रतिक्रिया करते समय आम लोगों की तरफ टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

केरल में कथित मॉब लिंचिंग का मामला

प्रवासी मजदूर को खंभे से बांध पीटा, मौत, 10 लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ मुवातुपुझ्झा

केरल के मुवातुपुझ्झा में एक मॉब लिंचिंग का एक कथित सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया गया है कि यहां दो दिन पहले भीड़ ने एक प्रवासी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अशोक दास (24) के तौर पर की गई है। वह अरुणाचल प्रदेश का रहने वाला बताया गया है। बताया गया है कि वह नौकरी के लिए केरल आया था और मुवातुपुझ्झा के करीब वलकम में एक किराए के घर में रह रहा था।

इलाज के दौरान हो गई मौत

पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार दास को एक खंभे में बांधकर पीटा गया। वह इलाके में ही रहने वाली एक महिला मित्र से मिलने गया था। लोगों ने खंभे पर बांधकर जबरदस्त तरीके से पीटा। बाद में उसे करीब के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत बिगड़ने के बाद उसे कोलेनचेरी मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

महिला को अर्धनग्न कर गलियों में दौड़ाया

महिला आयोग ने भी रिपोर्ट तलब की

तरनतारन। यहां से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक युवक के प्रेम विवाह का खामियाजा उसकी मां को भुगतना पड़ा। कस्बा वल्टोहा की रहने वाली एक युवती के साथ प्रेम विवाह करने वाले युवक की मां को अर्धनग्न कर गलियों में दौड़ाया। कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने 3लोगों को नामजद कर कुल 5लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं, इस शर्मनाक घटना पर महिला आयोग ने भी रिपोर्ट मांग ली है।

भाजपा का स्थापना दिवस

नड्डा ने फहराया झंडा और 'दिग्गजों' को किया याद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को भाजपा का स्थापना दिवस था। इस मौके पर अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में झंडा फहराया। नड्डा ने भाजपा के दिग्गज नेताओं को याद किया। पीएम ने सुबह ही संदेश जारी करके कहा कि पार्टी को यहां तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं का योगदान है। पार्टी राष्ट्र प्रथम के सिद्दांत पर चलती है।

राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नड्डा ने शनिवार को राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली। वे गुजरात से राज्यसभा सांसद चुने गए थे। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के अध्यक्ष नड्डा उन 57 राज्यसभा सांसदों में एक हैं जिनका कार्यकाल अप्रैल महीने में समाप्त हो गया था। अब उन्होंने गुजरात सीट से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ग्रहण की है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के समारोह में बोले धनखड़

समानता के मुद्दे पर भारत को उपदेश की जरूरत नहीं

उपराष्ट्रपति ने 2023 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ मसूरी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को एक दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे। उन्होंने मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के समारोह में शिरकत की।

अकादमी में व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रथम चरण के समापन पर 2023 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने युवाओं से ऐसे तथ्यात्मक रूप से अस्थिर राष्ट्र-विरोधी आख्यानों के रणनीतिक आयोजन का खंडन करने का आह्वान किया।

खास बात

- उपराष्ट्रपति ने युवाओं से ऐसे तथ्यात्मक रूप से अस्थिर राष्ट्र-विरोधी आख्यानों के रणनीतिक आयोजन का खंडन करने को कहा

सीएए किसी को नागरिकता से वंचित नहीं करता

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के बारे में फैलाई जा रही झूठी कहानी और गलत सूचना के प्रति आगाह करते हुए धनखड़ ने कहा कि सीएए न तो किसी भी भारतीय नागरिक को उसकी नागरिकता से वंचित करना चाहता है, न ही यह पहले की तरह किसी को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से रोकता है। यह उल्लेख करते हुए कि सीएए पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता के अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करता है, उपराष्ट्रपति ने कहा किहमारे पड़ोस में उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता के कारण सताए गए लोगों को यह राहत, उपचारात्मक स्पर्श भेदभावपूर्ण कैसे हो सकता है?

हमें इन आख्यानों को बेअसर करना होगा

यह देखते हुए कि सीएए उन लोगों पर लागू होता है, जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आए थे, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह आमद का निमंत्रण नहीं है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि हमें इन आख्यानों को बेअसर करना होगा।

आरबीआई ने लगाया 1 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में सिर्फ बैंकों के रेग्युलेशन का ही नहीं, बल्कि नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों का भी रेग्युलेशन करता है। ऐसे में उनकी कोई भी भूल-चूक या नियमों का उल्लंघन आरबीआई की निगाह से बच नहीं सकत। तभी तो आरबीआई ने एलआईसी की हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर लाखों रुपए का जुर्माना लगाया है। जबकि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को नियमों में कोताही बरतने के चलते 1 करोड़ रुपए का जुर्माना देना है। सेंट्रल बैंक ने एक बयान जारी कर पूरे मामले की जानकारी दी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर अगर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा है, तो एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को 49.70 लाख रुपए का जुर्माना चुकाना है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से तीन यात्री 204 दिन बाद सोयूज कैप्सूल कजाखस्तान में उतरे

मॉस्को। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने मिशन के बाद दो महिला और एक पुरुष यात्री रूसी अंतरिक्ष कैप्सूल के जरिए शनिवार को 204 दिन बाद कजाखस्तान पहुंच गए। सोयूज एमएस-24 कैप्सूल में रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग नोवित्स्की, नासा की लॉरल ओ'हारा और बेलारूस की मारिना वासिलिव्स्काया सवार थीं, जो कजाखस्तान के समयानुकास दोपहर 12:17 सुदूर जेजकाज्गान शहर में उतरा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अब भी नासा के अंतरिक्ष यात्री माइकल बैरेट, मैथ्यू डोमिनिक, ट्रेसी डायसन, जेनेट एप्स और रूसी अंतरिक्ष यात्री निकोलाई चुब, अलेक्जेंडर ग्रीबेनकिन और ओलेग कोनोनेंको मौजूद हैं। नासा ने कहा कि ओ'हारा 15 सितंबर, 2023 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंची थीं।

राशिफल

मेष — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला — वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक गुरु भवानी जी
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21सालों से एक ही स्थान पर
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन,सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
9988289203

ज्योतिष

समस्या बताएं तुरंत समाधान पाये
नौकरी, व्यापार, मनचाहा प्यार, शादी, ग्रहकलेश, पति पत्नी में अनबन, सौतन-दुश्मनो से छुटकारा, मुकदमा रूठो को मनाना, तलाक में बाधा, बनते-बनते काम बिगड़ जाना, लव मैरिज आदि
दीपक शास्त्री
E-13, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-59
8586896357

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अंटार्कटिका में डाक विभाग खोलेगा दूसरी शाखा, भारतीय पिन कोड एमएच-1718 के नाम से लोग भेज सकेंगे पत्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लगभग चार दशक बाद अंटार्कटिका के लिए आने वाले पत्रों में अब एक नया पिन कोड एमएच-1718 होगा। डाक विभाग अंटार्कटिका में भारती अनुसंधान स्टेशन पर डाकघर की दूसरी शाखा खोलेगा। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में दिया गया कोड प्रयोगात्मक है, जो एक नई शाखा शुरू होने का मानक है। अंटार्कटिका पर भारत के दो अनुसंधान अड्डे-मैत्री और

भारती दोनों 3,000 किमी दूर स्थित हैं। ये दोनों शाखाएं विशेष रूप से गोवा पोस्टल डिविजन का हिस्सा हैं। डाक विभाग के एक अधिकारी ने कहा, "आम तौर पर अंटार्कटिका में डाकघर के लिए आने वाले पत्र गोवा में भारत के ध्रुवीय अभियानों के लिए नोडल एजेंसी राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) को भेजे जाते हैं। जब महाद्वीप के लिए एक वैज्ञानिक अभियान एनसीपीओआर से रवाना होता है, तो आमतौर पर एक शोधकर्ता को पत्रों की खेप ले जाने का काम सौंपा जाता है।

'टारगेट किलिंग' भारत सरकार की नीति नहीं है, यह बात पूरी झूठी और दुर्भावनापूर्ण

खास बातें

- ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय का पलटवार

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन के दैनिक 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट में कही गई उन बातों को खारिज किया है जिसमें भारत पर आतंकवादियों को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में टारगेट किलिंग करने का आरोप लगाया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसे 'झूठा और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रचार' कहा है। उसने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के कथन का हवाला दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अन्य देशों में लक्षित हत्याएं' भारत सरकार की नीति नहीं है।' विदेश मंत्रालय के इनकार का जिक्र द गार्जियन की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली ने उन लोगों को निशाना बनाने की नीति लागू की है जिन्हें वह भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण मानता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा करीब 20 इस तरह की हत्याएं की गईं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यह पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर आधारित है।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Deepti
Additional Civil Judge (Senior Division), Rohtak
Mohit S/o Ajit
Vs.
General Public
CNR No. HRRH02-001882-2021
SUCC/88/2021
Next Date : 30.05.2024
PUBLICATION ISSUED TO :-
General Public
India
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **30.05.2024 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rohtak
Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Rohtak
Dated, this day of 05.04.2024

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
In The Court of Sh. Mohammad Zakaria Khan Civil Judge (Junior Division), Jhajjar
Dinesh S/o
Vs.
Ajit Singh
CNR No. HRJR02-001159-2017
Next Date:- 04-05-2024
APP/88/2017
PUBLICATION ISSUED TO:
Def. No. 1 Ajit Singh S/o Attar Singh R/o Bahadurgarh, Distt. Jhajjar Def. No. 3 Surender Singh S/o Umed Singh R/o Village Bahu Akbarpur, Tehsil and Distt. Rohtak, Haryana
In above titled case, the defendant (Def. No. 1 Ajit Singh S/o Attar Singh R/o Bahadurgarh Distt. Jhajjar Def. No. 3 Surender Singh S/o Umed Singh R/o Village Bahu Akbarpur, Tehsil and Distt. Rohtak, Haryana)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 04-05-2024 at 10:00 a.m
For details logon to https://high-courtchd.gov.in/?trs=district_notice&dis-trict=Jhajjar"
Sd/- (M.Z. Khan) Civil Judge (Junior Division), Jhajjar
Dated, this day of 05.04.2024

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
In The Court of Sh. Sudhir Jiwan, Additional District and Sessions Judge, Jhajjar
Rakesh
Vs.
Sudesh
CNR No. HRJR01-000083-2020
CA/8/2020
Next Date : 02.05.2024
Appeal against and judgement and decree dated 02.12.2019
PUBLICATION ISSUED TO :
Ved S/o : Jamnadas, Village Jahazgarh, District Jhajjar.
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through coun-sel on 02.05.2024 at 10:00 a.m.
For details logon to https://high-courtchd.gov.in/?trs=district_notice&dis-trict=Jhajjar"
Sd/- Sudhir Jiwan, Additional District and Sessions Judge, Jhajjar
Dated, this day of 30.03.2024

शब्द पहेली - 5474

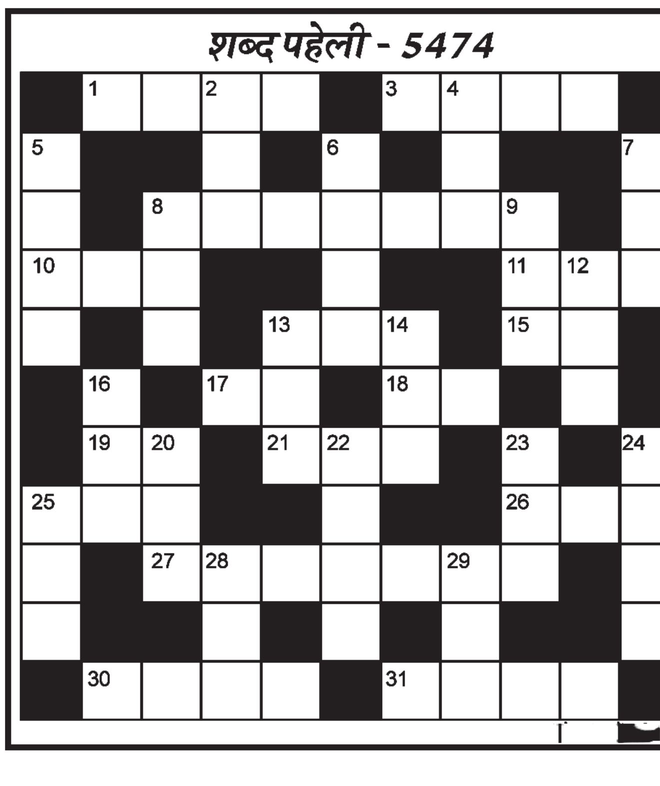

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 5473 का हल

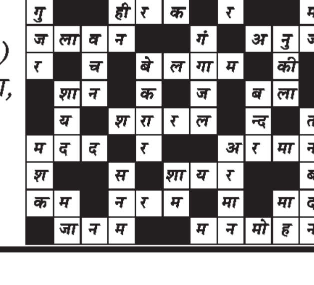

सूडोकु नवताल - 5485

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5484 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

कोहली पर भारी पड़े बटलर, राजस्थान ने आरसीबी को छह विकेट से हराया

- आईपीएल में राजस्थान की लगातार चौथी जीत
- बटलर ने छक्के से जिताया, शतक भी पूरा किया
- कोहली ने भी सीजन की पहली संेचुरी जमाई

भाषा ▶▶| जयपुर

छक्के के साथ अपना शतक पूरा करके फॉर्म में लौटे जोस बटलर ने विराट कोहली के शतक को बेनूर कर दिया और राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को छह विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग की अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया।

रॉयल्स ने अब तक चार मैच खेले और चारों जीतकर शीर्ष पर है। वहीं, आरसीबी लगातार तीसरी हार के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है। कोहली ने अकेले किला लड़ाते हुए आईपीएल में रिकॉर्ड आठवां शतक जमाया लेकिन उनकी टीम तीन विकेट पर 183 रन ही बना सकी। अपना सौवां आईपीएल मैच खेल रहे बटलर ने यादगार पारी खेलकर आरसीबी के जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पिछली तीन पारियों में नाकाम रहे बटलर ने पांच गेंद बाकी रहते टीम को जीत दिलाई। उन्होंने आखिरी ओवर की पहली ही गेंद पर कैमरन ग्रीन को डीप स्क्वेयर लेग के ऊपर छक्का लगाकर टूर्नामेंट में अपना छठा शतक भी पूरा किया। अपनी 58 गेंद की पारी में उन्होंने नौ चौके और चार छक्के लगाये। कप्तान संजू सैमसन ने बटलर का बखूबी साथ निभाते हुए 148 रन की साझेदारी की। सैमसन ने 42 गेंद में 69 रन बनाये जिसमें आठ चौके और दो छक्के शामिल थे। रॉयल्स अब नेट रनरेट के आधार पर कोलकाता नाइट राइडर्स से ऊपर शीर्ष पर है। रॉयल्स के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल ने बीच के ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। अश्विन ने चार ओवर में 28 रन दिये जबकि चहल ने 34 रन देकर दो विकेट चटकाये। इससे पहले कोहली ने अपनी पारी में शानदार पुल और फ्लिक लगाये। उन्होंने 72 गेंद में 113 रन बनाये और अब तक टूर्नामेंट में आरसीबी के कुल रनों का 38 प्रतिशत उन्हीं के बल्ले से निकला है। कोहली ने अपनी पारी में 12 चौके और तीन छक्के जड़े। कप्तान फाफ डु प्लेसी (33 गेंद में 44 रन) को छोड़कर उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल सका। कोहली ने 39 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और अगले 50 रन 28 गेंद में बनाये।

बैंगलोर

खिलाड़ी	रन
विराट कोहली नाबाद	113
डुप्लेसी का बटलर बो चहल	44
मैक्सवेल बो बर्गर	1
सौरव का जायसवाल बो चहल	9
कैमरन ग्रीन नाबाद	5
अतिरिक्त :	11

कुल योग : 20 ओवर में तीन विकेट पर 183 रन
विकेट पतन : 1-125, 2-128, 3-155
गेंदबाजी :

बोल्ट	3 . 0 . 30 . 0
बर्गर	4 . 0 . 33 . 1
अश्विन	4 . 0 . 28 . 0
आवेश	4 . 0 . 46 . 0
चहल	4 . 0 . 34 . 2
पराग	1 . 0 . 10 . 0

राजस्थान

खिलाड़ी	रन
यशस्वी का मैक्सवेल बो टॉपली	0
जोस बटलर नाबाद	100
सैमसन का दयाल बो सिराज	69
पराग का कोहली बो दयाल	4
ध्रुव जुरेल का कार्तिक बो टॉपली	2
शिमरोन हेटमायेर नाबाद	11

अतिरिक्त : तीन रन
कुल योग : 19 . 1 ओवर में चार विकेट पर 189 रन
विकेट पतन : 1-0 , 2-148, 3-155 , 4-164
गेंदबाजी :

टॉपली	4	0	27	2
दयाल	4	0	37	1
सिराज	4	0	35	1
डागर	2	0	34	0
ग्रीन	1	0	27	0
शर्मा	2	0	29	0

भारत को हॉकी में मिली करारी हार ऑस्ट्रेलिया ने 5-1 से जीता टेस्ट मैच

नई दिल्ली ▶▶| पर्थ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम से उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देगी लेकिन शनिवार को यहां पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में ऐसा कुछ नहीं देखने को मिला और मेहमान टीम को 1-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होने से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा।

भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टॉम विकम (20वें, 38वें मिनट) ने दो गोल, जबकि टिम ब्रांड (तीसरे), जोएल रिंटाला (37वें) और फ्लिन ओगिलवी (57वें) ने एक-एक गोल किया। भारत के लिए एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने 47वें मिनट में किया। इन दोनों टीम के बीच रविवार को दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पेरिस ओलंपिक की तैयारी के सिलसिले में यह श्रृंखला खेल रहे हैं।

क्वार्टर 1

तीसरे मिनट में गोल

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होते ही अपने इरादे जतला दिए थे और उसने तीसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया। ब्रांड को लंबा पास मिला और उन्होंने भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को छकाकर गोल दाग दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद भी भारतीय रक्षा पंक्ति को दबाव में रखा। उसने आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन इस बार श्रीजेश ने अच्छा बचाव किया।

क्वार्टर 2

2-0 की बढ़त

भारतीय रक्षापंक्ति की गलती के कारण ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में अपनी बढ़त 2-0 कर दी और मध्यांतर तक इसे बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे हाफ में भी अपना आक्रामक रवैया जारी रखा।

क्वार्टर 3

4-0 से आगे कंगारू

तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में रिंटाला ने काइ विलोट के रिवर्स हिट को डिफलेक्ट करके गोल किया। विकम ने इसके तुरंत बाद दाएं कॉर्नर से करारा शॉट लगाकर अपना दूसरा और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चौथा गोल किया। चार गोल से पिछड़ने के बाद भारतीयों ने कुछ तत्परता दिखाई लेकिन वह मौके बनाने में नाकाम रहे।

क्वार्टर 4

गुरजंत का सांत्वना गोल

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारत में इसके तुरंत बाद जवाबी हमला किया और मोहम्मद रहील के पास पर गुरजंत गोल करने में सफल रहे। भारत ने इसके बाद कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया की रक्षा पंक्ति में सेंध नहीं लगा सके। भारत ने इसके बाद लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह इन पर गोल नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलिया ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे ओगिलवी नेगोल में बदला।

आईपीएल : सूर्यकुमार की वापसी से मुंबई मजबूत, दिल्ली भी जीत के लिए बेकरार

नई दिल्ली ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए रविवार को जब यहां एक दूसरे का सामना करेंगे तो निगाहें सूर्यकुमार यादव पर टिकी रहेंगी जो चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। मुंबई ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। दिल्ली की स्थिति भी अच्छी नहीं है तथा चार मैच में एक जीत से वह 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर है। इस तरह से दोनों टीम पर वापसी करने का दबाव है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	4	4	0	8
कोलकाता	3	3	0	6
चेन्नई	4	2	2	4
लखनऊ	3	2	1	4
हैदराबाद	4	2	2	4
पंजाब	4	2	2	4
गुजरात	4	2	2	4
बैंगलोर	4	1	3	2
दिल्ली	4	1	3	2
मुंबई	3	0	3	0

हर विभाग में खराब प्रदर्शन

मुंबई की टीम ने अभी तक हर विभाग में खराब प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा और ईशान किशन ने उसे अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन यह दोनों बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं। तिलक वर्मा और नमन धीर पर भी यह बात लागू होती है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन करके टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहे हैं। उन्हें प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी है। जहां तक मुंबई के गेंदबाजी विभाग का सवाल है तो आकाश मधवाल को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

मोंटे कार्लो : नागल ने 63वीं रैंकिंग पर काबिज कोबोली को दी मात

नई दिल्ली ▶▶| मोंटे कार्लो

भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में जीत से शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां क्वालीफायर में दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी इटली के फ्लेवियो कोबोली को सीधे सेटों में शिकस्त दी। गैर वरीय और 95वीं रैंकिंग पर काबिज भारतीय ने आठवीं वरीयता प्राप्त कोबोली पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। नागल अब अपने अंतिम क्वालीफायर मैच में अर्जेंटीना के दो खिलाड़ियों फाकुंडो डियाज अकोस्टा और डिएगो श्वार्टजमैन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। अकोस्टा 55वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हैं जिन्हें तीसरी वरीयता मिली है जबकि श्वार्टजमैन 124वीं रैंकिंग पर है और वाइल्ड कार्ड धारी हैं। सात क्वालीफायर को मुख्य दौर में प्रवेश मिलेगा। भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन (शीर्ष वरीय) की दुनिया की नंबर एक जोड़ी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी।

अनुपमा और थारुन ने जीता अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिताब

नई दिल्ली ▶▶| अस्ताना

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनुपमा उपाध्याय और थारुन मन्नेपल्ली ने शनिवार को उरालस्क में कजाखस्तान अंतरराष्ट्रीय चैलेंज टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किए। अल्मोड़ा की 19 साल की अनुपमा ने पिछले महीने पोलिश अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में जीत हासिल की थी। उन्होंने फाइनल में 41 मिनट में हमवतन इशारानी बरुआ पर 21-15, 21-16 से जीत दर्ज कर लगातार दूसरा खिताब हासिल किया। वहीं पिछले साल दिसंबर में गुवाहाटी में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उपविजेता रहे 22 वर्षीय थारुन ने आठवें वरीय मलेशिया के सूंग जू वेन को 21-10, 21-19 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता। मिश्रित युगल के फाइनल में भारत के संजय श्रीवत्स धनराज और मनीषा के की जोड़ी को मलेशिया के वोंग टीएन सी और लिम चिव सिएन की जोड़ी से 21-9, 7-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनाव में अपनी जीत पक्की करने के लिए सभी पार्टियां कमर कस चुकी हैं। कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब अहम सवाल यह है कि कांग्रेस जो वादे कर रही है उनको किस तरह से पूरा करेगी और उनके लिए धन कहां से आएगा, इन्हीं पहलुओं पर विचार करता आजकल का यह अंक...

कांग्रेस की गारंटी या विरोध पत्र

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस ने जो चुनावी घोषणा-पत्र जारी किया है वह केवल प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों का विरोध-मात्र है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था।

कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था। शायद आज की कांग्रेस को जानकारी नहीं है कि 2009 में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान ही पीएमएलए में 'आपराधिक साजिश' की धारा 120-बी को जोड़ा गया था, लिहाजा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) साजिश के किसी भी मामले में दख़ल देने में सक्षम हो गया। यह दीगर है कि 2015 और 2019 में मोदी सरकार ने पीएमएलए को अधिक व्यापक और कठोर कानून बना दिया। आजकल ज्यादातर विपक्षी नेता ईडी के छापों और कानूनी कार्रवाई से संत्रस्त हैं, लिहाजा कांग्रेस पीएमएलए में संशोधन करेगी, ताकि ईडी के दुरुपयोग को रोका जा सके। 'न्याय-पत्र' मौजूदा कानूनों और प्रावधानों के खिलाफ विरोध की प्रतिक्रिया का एक दस्तावेज है। आखिर कांग्रेस ने बहुसंख्यकवाद, यानी हिन्दुओं, के खिलाफ और अल्पसंख्यकों के लिए प्रतिबद्धता की घोषणा क्यों की है? क्या यही कांग्रेस की राजनीतिक और सांप्रदायिक मंशा है?

न्याय और गारंटी

कांग्रेस ने 10 'न्याय' और 25 गारंटियों की घोषणा की है। 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। कांग्रेस की सरकार केंद्र में आई, तो सभी प्रमुख 'न्याय' लोगों को मुहैया कराए जाएंगे। दरअसल कांग्रेस ने देश पर 55 साल से अधिक समय तक शासन किया है। पिछली सरकार मई, 2004 से मई, 2014 के दौरान 10 साल तक रही। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब कांग्रेस ने कुछ ऐसी घोषणाएं की हैं, जिनके जरिये वह कई स्तरों पर 'न्याय' कर सकती है। मसलन-30 लाख सरकारी नौकरी के पदों पर भर्तियां की जाएंगी। हर गरीब परिवार को बिना शर्त 1 लाख रुपये सालाना दिए जाएंगे। इस योजना का नाम 'महालक्ष्मी' रखा गया है और यह राशि घर की सबसे

बुजुर्ग महिला को दी जाएगी। स्वास्थ्य बीमा 25 लाख रुपये का किया जाएगा। मनरेगा की दिहाड़ी 400 रुपये रोज़ाना की होगी। 25 साल से कम उम्र वाले स्नातक और डिप्लोमाधारी युवाओं को ट्रेनी की पहली नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उस अवधि के दौरान एक लाख रुपये का मानदेय भी दिया जाएगा। नौकरी के लिए आवेदन की कोई फीस नहीं देनी पड़ेगी और पेपर लीक से मुक्ति भी दिलाई जाएगी। यह 'न्याय' भी किया जाएगा कि 'अग्निवीर' योजना बंद की जाएगी। अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी आदि के आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को बढ़ाया जाएगा। केंद्र की 50 फीसदी नौकरियां महिलाओं को ही दी जाएंगी। संसद और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण का कानून 2025 से ही लागू किया जाएगा।

जांचों का सिलसिला

चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में 'नोटबंदी' लागू की थी, लिहाजा कांग्रेस की सरकार आई, तो उसकी जांच कराई जाएगी। जिन चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत ने 'असंवैधानिक' करार दिया है, उसकी भी जांच कराई जाएगी। कांग्रेस फ्रांस सरकार के साथ राफेल लड़ाकू विमान सौदे की जांच कराना 'न्याय' मान रही है, लेकिन अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे, पनडुब्बी सौदे, सैन्य ट्रक घोटाले, कोयला खदान, 2जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमंडल खेल घोटालों की जांच क्यों नहीं कराना चाहती? ये 15 लाख करोड़ रुपये के घोटाले आरोपित हैं। क्या इनकी नए सिरे से जांच 'न्यायिक' नहीं होगी? यह भी घोषणा की गई है कि जो नेता कांग्रेस या विपक्ष के अन्य दल को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, उनके खिलाफ ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग की जांच दोबारा शुरू कराई जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक, कांग्रेस समेत विपक्ष से टूटकर 80,000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। भाजपा का कुल लक्ष्य 1 लाख बताया जा रहा है। करीब 17,000 कार्यकर्ता और नेताओं ने अकेले मध्यप्रदेश में ही कांग्रेस को छोड़ा है। आखिर किस-किस की जांच कांग्रेस करवाएगी? कांग्रेस ने साफ़ कर दिया है कि देश में 'एक चुनाव' की व्यवस्था कभी लागू नहीं की जाएगी। 'नागरिकता संशोधन कानून' (सीएए) समेत कुछ और विवादित कानूनों को भी रद किया जाएगा। मोदी सरकार ने आईपीसी, सीआरपीसी, साक्ष्य कानूनों के स्थान पर जो नई 'भारतीय न्याय संहिता' लागू की है, उसे भी रद किया जाएगा। कांग्रेस जीएसटी परिषद का पुनर्गठन भी 'न्याय' मानती है, जबकि यह कानून संसद से ही पारित हुआ था। कांग्रेस मोदी सरकार की संघवादी शिक्षा नीति की भी समीक्षा करेगी।

विरोधाभासी न्याय

दलबदल निरोधक कानून और किसानों के लिए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) दो विरोधाभासी न्याय साबित हो सकते हैं। दलबदल कानून राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में लागू किया था। बाद में वाजपेयी सरकार के दौरान तत्कालीन कानून मंत्री अरुण जेटली ने इसे ज्यादा कड़ा कानून बना दिया था। आज़ाद भारत में सबसे अधिक दलबदल 1967-71 के दौरान किए गए, जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। सबसे अधिक सरकारें भी उसी कालखंड में गिराई गईं। अब कांग्रेस संविधान की 10वीं अनुसूची में संशोधन कर 'न्याय' पेश करना चाहती है। उसका वादा है कि विधानसभा या संसद में जैसे ही कोई प्रतिनिधि दलबदल करता है, वह स्वतः ही 'अयोग्य' हो जाना चाहिए। बेशक यह संविधान संशोधन संसद में ही दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना पड़ेगा। फिलहाल कांग्रेस के पक्ष में ऐसे जनादेश के आसार तक नहीं हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत किसानों की फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्जमाफी की घोषणा की है। डॉ. स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सभी रपटें 2006 में ही भारत सरकार को सौंप दी थी। तब कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार केंद्र में थी। मई, 2014 तक एमएसपी पर एक भी कदम नहीं उठाया गया। एमएसपी की शुरुआत 1966-67 में की गई थी और तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। देश में खाद्य संकट का दौर था। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए एमएसपी की घोषणा की गई थी, लेकिन इतने लंबे अंतराल के बाद अब मोदी सरकार को एमएसपी के लिए 'खलनायक' करार दिया जा रहा है। यदि कांग्रेस के 'न्याय' पर ही भरोसा करें, तो यकीन कौन दिलाएगा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू कर ही दी जाएगी?

लोकतंत्र अभी जिंदा

चूंकि कांग्रेस ने अपना 'न्याय-पत्र' जारी किया है और वह देश के करीब 97 करोड़ मतदाताओं को आश्वस्त कर रही है। यानी लोकतंत्र अब भी जिंदा है। दूसरी तरफ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 2024 के आम चुनाव को संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव मान रहे हैं। यह कैसा विरोधाभास है? चुनाव आयोग को गालियां भी दी जा रही हैं, फिर भी मतदान ईवीएम के जरिये ही होगा। अलबत्ता वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाएगा, यह आयोग द्वारा निर्धारित व्यवस्था है ही। कांग्रेस अक्सर 45 सालों के दौरान की सर्वाधिक बेरोज़गारी और अत्यधिक महंगाई को लेकर प्रलाप करती रही है। बेशक ये विसंगतियां देश में हैं, लेकिन देश को याद रखना होगा कि कांग्रेस राज में 26 फीसदी तक महंगाई रही है, जो आज 5-6 फीसदी के करीब है। यूपीए सरकार में ही मुद्रास्फीति की दर 12-14 फीसदी तक रही थी। दोनों स्थितियों से मोदी सरकार लड़ रही है, लोगों को राहत भी दी है, करोड़ों के मुद्रा लोन भी मुहैया कराए हैं, 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को 'मुफ्त अनाज' बांटा जा रहा है। यही कारण है कि महंगाई और बेरोज़गारी की चरम स्थितियां होने के बावजूद बार-बार जनादेश भाजपा के पक्ष में रहता है।

अब भी चुनावी हवाएं प्रधानमंत्री मोदी के ही पक्ष में हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के नाम पर जो आश्वासन परोसे हैं, यदि उसकी सरकार भी आती है, तो उन्हें लागू करना टेढ़ी खीर होगी। देश में किसी की भी सरकार हो, लेकिन कोई भी लोकतंत्र और संविधान से बढ़कर नहीं हो सकता। संविधान है, तो मजबूत न्यायपालिका भी है। राहुल गांधी कुछ भी कहते रहें, यह देश उन्हें गंभीरता से कब ग्रहण करेगा, उस दिन का इंतज़ार रहेगा।

कांग्रेस ने खोला वादों का पिटारा

घोषणा पत्र

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव घोषणा पत्र जारी करने में देश की सबसे पुरानी पार्टी बाजी मारने में कामयाब रही है। जैसा कि अक्सर होता है, चुनाव घोषणा पत्र राजनीतिक दल का भावी शासन का रोडमैप होता है। कांग्रेस ने इस रोड मैप को हाल के दिनों में अख्तियार किए दो शब्दों 'न्याय' और 'गारंटी' के इर्द-गिर्द ही केंद्रित किया है, लेकिन इस रोडमैप को मोटे तौर पर देखें तो वह कुछ मुद्दों पर अपनी पुरानी गलतियों को दुरुस्त करती दिख रही है, तो कई बार वह नेहरूवादी समाजवाद की ओर बढ़ती नजर आ रही है तो कई मुद्दों पर राहुल-प्रियंका के वामपंथी सलाहकारों का असर नजर आ रहा है।

सवाल उठते हैं

कांग्रेस इन दिनों जिस तरह न्याय और गारंटी पर जोर दे रही है, उससे कुछ सवाल जरूर उठते हैं। देश की आजादी का 77वां साल चल रहा है। इतने दिनों में पचपन साल तक उसका ही शासन रहा है। जाहिर है कि आजाद भारत के दो तिहाई हिस्से पर कांग्रेस का ही शासन रहा है। इसके बावजूद वह लोगों को न्याय दिलाने का वादा करती है, गारंटियां देने की बात करती है तो यह सवाल जरूर उठेगा कि कांग्रेस क्या अपने शासनकाल में लोगों को न्याय नहीं दे पाई या फिर वह पहले गारंटी नहीं दे पाई। जाहिर है कि जब ये सवाल उठेंगे तो कांग्रेस और उसके समर्थक जवाब में कह सकते हैं कि पार्टी का न्याय और गारंटियों का वादा भाजपा शासन काल के दौरान हुए अन्याय और अनदेखी का जवाब है, लेकिन कांग्रेस के घोषणा पत्र को गौर से देखेंगे तो पता चलेगा कि पार्टी कुछ ऐसे मुद्दों पर अपनी गलती को सुधार करती दिख रही है, जिन्हें राष्ट्रवादी राजनीति के मुद्दे माना जाता है। आर्थिक सुधार प्रक्रिया के तहत नई पेंशन योजना को स्वीकार करना और समान नागरिक संहिता को स्वीकार करना राष्ट्रवादी राजनीति के ही मुद्दे हैं, लेकिन कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में इन दोनों अहम मुद्दों पर चुप्पी साध ली गई है। कांग्रेस के घोषणा पत्र को जारी करते हुए घोषणा पत्र समिति के प्रमुख पी चिदंबरम ने बड़े जोर देकर कहा कि कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वह सिर्फ नौकरी, नौकरी और नौकरी ही देगी। चुनाव घोषणा पत्र में बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाते हुए सरकारी दफ्तरों और सार्वजनिक निगमों में खाली पड़े तीस लाख पदों को भरने का वादा किया गया है। पार्टी खुद ही अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के एक सर्वे आंकड़े का हवाला देते हुए कहती है कि देश के पच्चीस साल तक की उम्र वाले युवाओं में से 42 फीसदी बेरोजगार हैं। अगर इसी आंकड़े पर भरोसा करें तो यह संख्या करोड़ों में होगी। कांग्रेस सिर्फ तीस लाख सरकारी पदों को भरने का स्पष्ट वादा तो कर रही है, लेकिन शेष युवाओं का क्या होगा, पार्टी इस पर मौन है। हां, वह तकनीकी शिक्षा ले चुके युवाओं के लिए एक साल के लिए अप्रेंटिसशिप का वादा जरूर कर रही है, जिसमें एक लाख सालाना मिलेंगे। इस रकम का आधा हिस्सा सरकारें वहन करेंगी। यूपीए एक के शासन के दौरान पार्टी ने मनरेगा की शुरूआत की थी। इसे पार्टी अपना बेहतरीन कदम मानती है। घोषणा पत्र में इसकी चर्चा नहीं होती तो आश्चर्य होता। पार्टी ने मनरेगा की मजुदरी 400 रुपये तक बढ़ाने का वादा कर रही है। इसे संयोग कहें या कुछ और कि प्रवक्ता गौरव बल्लभ और धाकड़ सांसद

रहे संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ी, उसके ठीक बाद ही कांग्रेस ने अपने महत्वाकांक्षी घोषणा पत्र को जारी किया। घोषणा पत्र एक या दो दिन में नहीं तैयार किए जाते हैं, इसलिए यह उम्मीद करना कि चुनाव घोषणा पत्र में कुछ ऐसा होगा, जिसके जरिये पार्टी अपने यहां मची भगदड़ को रोकने या उसे संबोधित करने की कोशिश करेगी। संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ते वक्त आरोप लगाया था कि कांग्रेस इन दिनों वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में ज्यादा है। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के आधार पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा भी वामपंथी वैचारिकता का ही विस्तार है। जाति जनगणना की भी बात वाम वैचारिकी की ही देन है।

वाम वैचारिकी

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में संस्थानों की स्वायत्तता पर भी एक तरह से सवाल खड़ा किया है। इसमें चुनाव आयोग और न्यायपालिका शामिल है। यह सोच भी वाम वैचारिकी की ही है। कांग्रेस ने जहां चुनाव आयोग को स्वायत्त बनाने का वादा किया है, वहीं न्यायपालिका में वंचित तबकों को बढ़ावा देने के साथ ही न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने का भी वादा किया है। मीडिया को भी स्वायत्त बनाने की भी बात कही गई है। माना जा रहा है कि इसके जरिये पार्टी ने मीडिया में कार्यरत लोगों के समर्थन की उम्मीद रखी है।

पांच न्याय

अब बात करते हैं, कांग्रेस के पांच न्याय की। पार्टी ने जिन न्याय की बात की है, उसमें पहला है युवा न्याय। इस गारंटी के तहत 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है। दूसरे नंबर पर पार्टी ने हिस्सेदारी न्याय की चर्चा की है, जिसके तहत जाति जनगणना कराने की 'गारंटी' दी गई है। तीसरे नंबर पर किसान न्याय की चर्चा की गई है, जिसके तहत कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने के साथ ही किसानों की कर्ज माफी के लिए आयोग के गठन के साथ-साथ जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है। चौथे नंबर पर पार्टी ने श्रमिक न्याय की बात की गई है। पार्टी ने इसके तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार, मनरेगा की न्यूनतम मजुदरी 400 रुपये रोजाना करने के साथ ही शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया गया है। पांचवां न्याय है नारी न्याय। इसके तहत कांग्रेस ने 'महालक्ष्मी' गारंटी देने का वादा किया है। इसमें गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये सालाना देने समेत कई वादे किए गए हैं। इसके साथ ही गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख की मदद का भी ऐलान किया गया है।

घोषणा पत्र के वादे

पार्टी के घोषणा पत्र के कुछ प्रमुख वादों पर निगाह डाल लेते हैं। पार्टी ने कहा है कि अगर उसकी सरकार बनी तो वह महिलाओं को 6 हजार रुपये प्रति माह देगी। इसके साथ ही उन्हें केंद्र सरकार की नौकरियों में एक तिहाई आरक्षण देने का भी वादा किया गया है। पार्टी ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों की संख्या बढ़ाने का भी वादा किया है। पार्टी अपनी हर चुनावी सभा में महंगाई का हवाला देती है। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी ने गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का भी वादा किया है। पार्टी ने संवैधानिक न्याय और आर्थिक न्याय का भी वादा किया है। घोषणा पत्र में देश की रक्षा करने वाली विदेश नीति पर काम करने की बात की गई है। मछुआरों के लिए डीजल सब्सिडी दे के साथ ही अगले 10 वर्षों में देश की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य भी रखा गया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में मॉब लिंचिंग, बुलडोजर न्याय और फर्जी मुठभेड़ जैसे कदमों का विरोध किया है।

वादों पर भरोसा

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी ने ऐसे ही कुछ वादे किए थे, लेकिन तेलंगाना छोड़ उसे कहीं समर्थन नहीं मिल पाया। ऐसे में देखना होगा कि चुनावी रण में जनता उसके इन वादों पर कितना भरोसा कर पाती है?

तय हो राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहलाए जाने वाले भारत में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी पार्टियां अपने-अपने चुनावी वादों के साथ मैदान में उतर चुकी हैं। प्रचार के दौरान कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच कई वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। घोषणा पत्र में कई तबकों के लिए अलग-अलग तरह की गारंटी दी गई हैं। पार्टी ने घोषणा पत्र में युवा, किसान, महिला, बुजुर्ग, कारोबारी और अन्य दूसरे वर्गों पर भी फोकस किया है। इन सभी के लिए कई तरह के वादे किए गए हैं। गौर करने वाली बात ये है कि 'न्याय' शब्द का इस्तेमाल कांग्रेस ने 2019 के घोषणा पत्र में भी किया था। पिछले चुनाव में वेलफेयर योजना के तहत कांग्रेस ने 'न्यूनतम न्याय योजना' का वादा किया था, पर इस बार के न्याय पत्र में ये वाला 'न्याय' नहीं है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में एक और बात गौर करने लायक है। उसने कई राज्यों में ओल्ड पेंशन स्कीम को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ा। लंबे समय से राहुल गांधी भी ओपीएस की तरफदारी करते रहे हैं, लेकिन लोकसभा के लिए जारी हुए घोषणा पत्र में कांग्रेस ने ओपीएस का जिक्र तक नहीं किया है। खैर, ऐसे कई वादे हैं जो पिछली बार किए गए थे, लेकिन इस बार के घोषणा पत्र में नहीं हैं। कई नए वादे भी हैं जो पिछली बार से अलग हैं।

शानदार भारत

हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी के इस घोषणा पत्र में भविष्य के शानदार भारत की तस्वीर नजर आती है। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी का घोषणा पत्र जनता की आवाज है। ये घोषणा पत्र कांग्रेस पार्टी ने नहीं बनाया, ये घोषणा पत्र हिंदुस्तान की जनता ने बनाया है। हमने सिर्फ इसको लिखा है, तो दूसरी तरफ बीजेपी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को 'झूठ का पुलिंदा' करार दिया है। अहम सवाल ये नहीं है कि किसने क्या कहा। सवाल महत्वपूर्ण ये है कि कांग्रेस के इस घोषणा पत्र का आम जनता पर असर कितना होगा? क्योंकि इस घोषणा पत्र के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त कार्यकर्ता नहीं हैं। दूसरी ओर भाजपा एक काडर वाली पार्टी है। वो अपनी पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। कांग्रेस के कार्यकर्ता कितने सक्षम हैं और वो लोगों तक पार्टी के पैग़ाम को ले जा सकेंगे ये देखना

होगा। इसके अलावा सबसे बड़ी चुनौती राहुल गांधी और उनकी पार्टी के लिए ये है कि क्या वो हिंदी बेल्ट में इस अच्छे मैनिफ़ेस्टो के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने में सफल होंगे? कांग्रेस के लिए ये एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि हिन्दी बेल्ट के किसी राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार नहीं है। अपवादस्वरूप हिमाचल प्रदेश को छोड़कर।

वादे कैसे पूरा करेंगे

बहरहाल, चुनावी मौसम में इन दिनों हर जगह सभी पार्टियों के बड़े-बड़े नेता गला फाड़कर चिल्ला रहे हैं कि हम आपके लिए ये करेंगे, वो करेंगे। किसी पार्टी से सरोकार न रखने वाले हम जैसे लोगों को ये समझ नहीं आ रहा कि आखिर पार्टियां इन वादों को कैसे पूरा करेंगी। अगर हम एक बार के लिए ये मान भी लें कि राजनीतिक पार्टियों की मंशा साफ है और वह सत्ता में आने के बाद अपने वादों को पूरा करेंगी तो आखिर पैसा आएगा कहां से। ये हम जैसे लोगों के समझ से परे हैं। मेरा सिर्फ इतना मानना है कि राजनीतिक दल सोच समझ कर जनता से वादे करें। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को सत्ता में वापसी की कोशिश हो या सत्ता हासिल करने की कोशिश हो दोनों के लिए ही मतदाताओं को लुभाना जरूरी होता है। आजकल अधिकांश नेता यही मानकर चल रहे हैं कि लोकलुभावन घोषणाओं से लोगों को आकर्षित करो ताकि लोग उनके उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करें, बाकी बात बाद में देखी जाएगी। ऐसा देखा गया है कि कई पार्टियां मेनिफेस्टो में बड़े-बड़े ऐलान करती हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद वो किए हुए वादों को निभाने में 100 प्रतिशत सफल नहीं हो पाती। आम लोगों का मानना है कि पार्टियां वादे करते समय इस बात का ध्यान नहीं रख रहीं कि वे कैसे उन वादों को पूरा करेंगी, उनकी कोशिश सिर्फ यही रहती है कि हमारे वादे दूसरी पार्टियों के मुकाबले ज्यादा आकर्षक हों। यही कारण है कि सारी पार्टियां किसानों की कर्ज माफी से लेकर बेरोजगारी भत्ते जैसे बड़े-बड़े वादे कर रही हैं। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को चुनावी वादे करने से रोका नहीं जा सकता है, लेकिन मतदाता को भी ये जानने का हक है कि उनसे किए गए वादे पूरे कैसे किए जाएंगे। उन वादों को पूरा करने के लिए फंड कहां से आएगा।

महत्वपूर्ण प्रश्न

चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने के लिए पार्टियों को धन कहां से आएगा, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। चुनावी घोषणा पत्र और पार्टियों को उसमें दिए वादों को पूरा करने का मामला एक से ज्यादा बार अदालत पहुंचा है। साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर वकील मिथिलेश कुमार पांडे ने जनहित याचिका दायर की थी। हालांकि याचिका को मुख्य न्यायाधीश एचएल दत्तू और न्यायमूर्ति अमिताव रॉय की पीठ ने यह कहकर खारिज कर दिया कि क्या कानून में कोई प्रावधान है जो घोषणा पत्र में किए गए वादों को किसी राजनीतिक दल के खिलाफ लागू करने योग्य बनाता है? इसका निष्कर्ष ये था कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए पार्टी कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। खैर, मेरा मानना है कि जनता को लुभाने और चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा झूठी घोषणाएं करना बेहद गंभीर विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा करना जरूरी है। कुछ राजनीतिक दलों ने झूठे वादों से जनादेश चोरी करने की महारत भी हासिल कर ली है। इसलिए अब समय आ गया है कि चुनावी वादों के साथ-साथ देश व प्रदेश का बजटीय आकलन भी घोषणा पत्र में प्रकाशित होना चाहिए, ताकि देश व प्रदेश के हर लाभार्थी व प्रबुद्ध नागरिक झूठी घोषणाओं और वादों के झांसे में आने से बच सकें।

ममता के गढ़ को भेदना भाजपा के लिए आसान नहीं

प. बंगालः हिंसा की जमीन पर बिछी लोकसभा चुनाव की बिसात

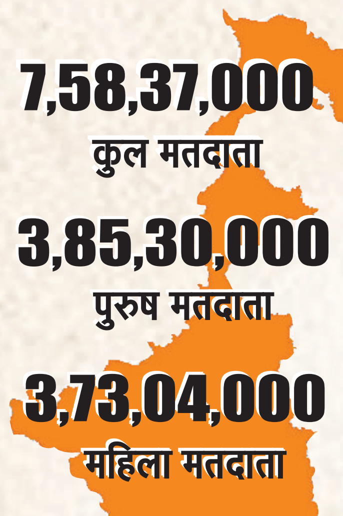

कड़ी सुरक्षा में चुनाव

- चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में हिंसा रोकर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने की दृष्टि से केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों की 920 कंपनियां तैनात करके अन्य सुरक्षा चक्र तैयार करने की योजना बनाई है।
- इन सुरक्षा बलों को चरणवार होने वाले संसदीय क्षेत्रों और मतदान केंद्रों पर तैनात किया जाएगा। आयोग ने बंगाल के दार्जीलिंग, मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, आसनसोल, बनगांव और कोलकाता उत्तर लोकसभा क्षेत्र को आर्थिक रूप से संवेदनशील घोषित किया है, जहां पिछले चुनाव में धनबल के सर्वाधिक मामले सामने आए थे।

ओ.पी. पाल ▶▶ नई दिल्ली

देश में पश्चमी बंगाल एक ऐसा राज्य है, जहां का चुनावी हिंसा का इतिहास हिंसा के ईर्दगिर्द रहा है। ऐसे में राज्य की 42 लोकसभा सीटों पर सात चरणों में कराये जा रहे आम चुनाव में जहां चुनाव आयोग और सुरक्षा एजेंसियों के सामने भी निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने की बड़ी चुनौती होगी। वहीं अपनी मजबूत रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतरी भाजपा को अपने विकास के मुद्दों के साथ राज्य की पंगु कानून व्यवस्था को लेकर भी जनता में विश्वास की भावना पैदा करने का प्रयास कर रही है। इन सबके बावजूद भाजपा के लिए तृणमूल कांग्रेस के गढ़ को भेदना आसान भी नहीं है। पश्चिम बंगाल में लंबे समय से वामदलों की सत्ता को बेदखल करने के बाद साल 2011 में राज्य की सत्ता संभालने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने 'प्रतिशोध की राजनीति बंद करो' का वादा किया था, लेकिन इसके बावजूद अभी तक के चुनाव में चुनावी हिंसा का यह इतिहास करवटे बदलते हुए खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले दिनों संदेशखाली और उससे पहले नंदीग्राम की अत्याचार रुपी हिंसा इन चुनावों का मुद्दा गैर तृणमूल दलों के चुनाव प्रचार का हिस्सा बनकर ममता बनर्जी को परेशान कर रहा है। लोकसभा चुनाव से पहले ही हिंसाओं की जांच करने वाली एनएआई और ईडी जैसी एजेंसियों के अलावा सुरक्षा बलों पर हमले और राजनीतिक दलों की हत्या हमलों की सियासत तृणमूल की प्रतिशोध की राजनीति को उजागर करती नजर आ रही है। ऐसे में लोकसभा चुनाव में भाजपा को पिछले चुनाव की 18 सीटों की तुलना में अधिक से अधिक सीटों पर जीत की उम्मीद है, लेकिन पिछले चुनाव में खाता खोलने से वंचित वामदल भी भाजपा और तृणमूल के मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने के इरादे से चुनावी जंग में हैं।

महिला मतदाताओं की अहम भूमिका

पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा के चुनाव में कुल सात करोड़ 7 करोड 58 लाख 37 हजार वोटर हैं। खासबात है कि इनमें तीन करोड़ 73 लाख 4 हजार यानी करीब आधी महिला मतदाता हैं। जबकि 3 करोड़ 85 लाख 30 हजार पुरुष मतदाता हैं। पिछले पांच साल में राज्य में महिला मतदाताओं की 9.8 प्रतिशत वोट बढ़ी हैं। वहीं बंगाल में 20.1 लाख मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में फिलहाल प्रति 1,000 पुरुष मतदाताओं पर 968 महिला मतदाता हैं। यह भी दिलचस्प पहलू है कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में पहली बार पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने महिलाओं ने 81.79 प्रतिशत मतदान किया था। पिछले चुनाव में 42 लोकसभा सीटों में से टीएमसी को 22, भाजपा को 18 और कांग्रेस को 2 सीटे मिली थी।

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र मुर्शीदाबाद

पश्चिम बंगाल का बांग्लादेश की सीमा से सटे जिलों मुर्शीदाबाद 66.8 प्रतिशत और मालदा में 51.27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। जबकि चार अन्य जिलों, उत्तर दिनाजपुर में 49.92 प्रतिशत, बीरभूम में 37.06 प्रतिशत, दक्षिण 24 परगना में 35.57 प्रतिशत और उत्तर 24 परगना में 30 प्रतिशत से अधिक आबादी मुस्लिम है।

दरअसल इन जिलों में घुसपैठियों की वजह से मुस्लिमों का दबदबा है। भाजपा के तृणमूल कांग्रेस पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप तो बंगाल सरकार ने पिछले साल केंद्रीय ओबीसी सूची में जिन 83 जातियों को शामिल करने की सिफारिश की थी, उसमें 73 अकेले मुस्लिम समुदाय की थी।

यहां आमने सामने भाजपा-टीएमसी

पश्चिम बंगाल में इस बार लोकसभा की 42 में डायमंड हार्बर, आसनसोल, कोलकता दक्षिण, मालदा दक्षिण, मुर्शिदाबाद, हावड़ा, बोलपुर और दार्जिलिंग को हॉट सीटे माना जा रहा है, जहां भाजपा और तृणमूल के सीधे मुकाबलों की संभावनाएं जताई जा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इन सीटों पर अभिषेक बनर्जी, दिलीप घोष, महुआ मोइत्रा, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे दिग्गजों पर दांव खेला है।

बंगाल में किस चरण में कहां कहां वोटिंग

पहला चरण (19 अप्रैल)
कूचबिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी

दूसरा चरण (26 अप्रैल)
दार्जिलिंग, रायगंज, बालुरघाट

तीसरा चरण (07 मई)
समालदाहा उत्तर, मालदहा दक्षिण, जंगीपुर, मुर्शिदाबाद

चौथा चरण (13 मई)
बहरामपुर, कृष्णानगर, राणाघाट, बर्धमान पुरबा, बर्धमान-दुर्गापुर, आसनसोल, बोलपुर, बीरभूम।

पांचवां चरण (20 मई)
बनगांव, बैरकपुर, हावड़ा, उलुबेरिया, श्रीरामपुर, हुगली, आरामबाग।

छठा चरण (25 मई)
तमलुक, कांथी, घाटल, झाड़ग्राम, मेदिनीपुर, पुरुलिया, बांकुरा, बिष्णुपुर।

सातवां चरण (01 जून)
दम दम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर।

भाजपा का भरोसेमंद समुदाय

पश्चिम बंगाल में एक समय इन मतुआ लोगों के ज़्यादातर वोटवैंक वामपंथी पार्टियों या तृणमूल कांग्रेस के खेमे था, लेकिन 2019 के चुनाव के समय बदली सियासत में अन्य देशों से प्रताड़ित होकर मतुआ समुयाद इन हिंदू शरणार्थियों को भाजपा के सीएए का आश्वासन भरोसे में ले आया। इसलिए खासतौर से बंगाल के दक्षिणी हिस्से में मतुआ जाति समूह और उत्तर में राजबंशी जाति समूह भाजपा के खेमे में जाता नजर आ रहा है। वहीं पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक वोटबैंक मुस्लिम समुदाय का है, जो तृणमूल का वोट बैंक माना जाता है। राज्य में 125 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां मुस्लिम आबादी 20 फीसदी या उससे अधिक है। इसमें उत्तर और दक्षिण 24 परगना, नदिया, कोलकाता, बीरभूम और बर्धमान में 75-80 सीटें हैं। जबकि दक्षिण और उत्तर 24 परगना जिलों में 64 सीटें हैं और वहां मुसलमानों की बड़ी आबादी क्रमशः 35 और 26 फीसदी है।

ऐसे बढ़ा भाजपा का जनाधार

पश्चिम बंगाल में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 40.30 फीसदी वोट शेयर के साथ 42 में से 17 लोकसभा सीटे जीती, नतीजन भाजपा ने इसके बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में 38.1 फीसदी वोट लेकर 294 सीटों में से भाजपा ने में से 77 सीटों पर जीत हासिल की और पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा का विपक्ष की राजनीति के लिए 'टर्निंग पॉइंट' साबित हुआ, जिसकी वजह से इस इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा की चुनावी रणनीति से तृणमूल कांग्रेस असमंजस की स्थिति में है, लेकिन बंगाल में भाजपा ने विकास के मुद्दे के विपरीत तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी आक्रामक अंदाज में थोड़ी नरमी लाकर जवाब देने की रणनीति बनाई है।

पिछले चुनाव में इन राज्यों में हुई हिंसा

राज्य	घटनाएं
पश्चिम बंगाल	-365
जम्मू कश्मीर	-250
उत्तर प्रदेश	-100
पंजाब	-100
असम	-100
बिहार	-80
त्रिपुरा	-80
केरल	-60
छत्तीसगढ़	-30

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और देश के रक्षामंत्री के बीच तीखे आरोप-प्रत्यारोप

आज हमारे देश का लोकतंत्र खतरे में है : सोनिया गांधी

जयपुर (भाषा)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए शनिवार को कहा कि वह खुद को महान मानकर देश और लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे हैं। सोनिया गांधी ने कहा, ''आज हमारे देश का लोकतंत्र खतरे में है। संविधान को बदलने का षड्यंत्र रचा जा रहा है।'' कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा, ''यह देश सिर्फ चंद लोगों की जागीर नहीं हैं, ये देश हम सबका है। इसे हमारे पुरखों ने अपने खून से सींचा है।'' सोनिया गांधी यहां विद्याधर नगर में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रही थीं।

विपक्षी नेताओं को डराया, धमकाया जा रहा

उन्होंने कहा, ''देश से ऊपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश की जनता, मेरी प्यारी बहनें, नौजवान, किसान, मजदूर, आदिवासी उसे सबक सिखा देते हैं। दुर्भाग्य से आज हमारे देश में ऐसे नेता सत्ता में विराजमान हैं। मोदी जी खुद को महान मानकर देश और लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''विपक्षी नेताओं को डराने धमकाने, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) में शामिल कराने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।'

आज देश में चरम पर बेरोजगारी और महंगाई

सोनिया गांधी ने कहा, ''हमारा देश पिछले 10 साल से एक ऐसी सरकार के हवाले है जिसने बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक संकट, असमानता व अत्याचार को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस मोदी सरकार ने जो-जो किया है वो हमारे, आपके सामने है। इसलिए यह समय हताशा से भरा हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन जान लीजिए हताशा के साथ ही उम्मीद का भी जन्म होता है। मुझे पूरा यकीन है कि कांग्रेस के हमारे साथी न्याय के दीपक को अपने सीने की आग से जलाएंगे और हजार आंधियों से संभालकर आगे बढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''... क्योंकि ये देश सिर्फ चंद लोगों की जागीर नहीं है, ये देश हम सबका है। इसे हमारे पुरखों ने अपने खून से सींचा है।

विपक्ष केवल नफरत फैलाने का काम कर रहा : राजनाथ

सिंगरौली (मप्र) (भाषा)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भाजपा अपनी बात पर चलती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी नागरिकों को कठिनाई से बचाने की है, जबकि बेकार विपक्ष नफरत फैला रहा है। सीधी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार डॉ. राजेश मिश्रा के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संप्रग शासन भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था, जिसके कारण उस समय कुछ मंत्रियों को जेल भी हुई थी। सिंह ने यहां एक रैली में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सच बोलते हैं। मोदी की गारंटी लोगों को परेशानी और कठिनाई से बचाना है।

भाजपा जो कहती है, वो करती

भाजपा जो कहती है, वह करती है। वह जो कहती है, उस पर चलती है। भारतीय जनसंघ के समय से ही हमने अपनी बात रखी है। सिंह ने दावा किया कि भाजपा अपने घोषणापत्र में किये गये हर वादे को पूरा करती है। उन्होंने कहा, '' राम मंदिर के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के लिए हमारा मजाक उड़ाया गया लेकिन यह बना। हमने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया। विपक्ष बेकार हो गया है। यह नफरत और गलत बातें फैला रहा है। सिंह ने कहा कि भाजपा लोगों पर शासन नहीं करती, बल्कि उनकी सेवा करती है।

राजग पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राजग सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा, जबकि 2004 और 2014 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग का शासन घोटालों से भरा था, जिसमें कई मंत्री गिरफ्तार हुए थे। सिंह ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि विकास के लिए आवंटित प्रत्येक रुपये में से केवल 15 पैसे ही भ्रष्टाचार के कारण सही लाभार्थी तक पहुंचते हैं, लेकिन मोदी ने जनधन जैसी योजनाओं का उपयोग करके यह सुनिश्चित किया है कि हर पैसा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में देश की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं।

वित्तमंत्री का विपक्ष पर हमला

कांग्रेस घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए पैसा कहां से लाएगी

बेंगलुरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में कई जगहों पर विरोधाभासी बातें हैं। कांग्रेस ऐसे वादे कर रही है, जो अगर पूरे हुए तो बजट में इतना घाटा हो जाएगा कि पैसा ही नहीं बचेगा। निर्मला ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर मैं सिर्फ कर्नाटक का उदाहरण देती हूं. विधानसभा चुनाव जीतने के लिए उन्होंने बहुत बड़े वादे किए थे। उन घोषणापत्रों ने उन्हें जिताया, लेकिन डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने खुद कहा था कि उनके पास विकास के लिए पैसा नहीं है। यह है इनका वादा।

सीएम सरमा ने जोरहाट में प्रचार के दौरान किया डांस

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को जोरहाट के टिटाबोर बोकाहोला बागीसा में एक चुनाव अभियान के दौरान मंच पर नृत्य करते देखा गया। यह प्रचार रैली जोरहाट संसदीय क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार टोपोन कुमार गोगोई के समर्थन में थी। सरमा ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाईऔर एक लोकप्रिय झुमुर गीत पर नृत्य किया।

जयपुर में खरगे और प्रियंका की सभा

पीएम झूठों के सरदार, हमारा गारंटी शब्द चुराया

लोकसभा चुनाव को लेकर जयपुर में कांग्रेस की जनसभा हुई। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगेऔर प्रियंका गांधी समेत अन्य नेताओं ने सभा को संबोधित कर भाजपा और पीएम पर हमला बोला।खरगे ने पीएम को झूठों का सरदार बताया, साथ ही उन पर गारंटी शब्द को चोरी करने का आरोप भी लगाया। मोदी संविधान बदलना चाहते हैं।

प्रियंका बोलीं- आज देश के हालात क्या है?

प्रियंका गांधी ने भाजपा और मोदी सरकार पर तीखे प्रहार किए। प्रियंका ने कहा- कांग्रेस का घोषणा पत्र एक सूची नहीं है, यह संघर्ष की आवाज है। आज देश की परिस्थितियां क्या हैं? आप सब अच्छी तरह जानते हैं। 45 सालों में इतनी बेरोजगारी नहीं रही जितनी आज है।

महाराष्ट्र के 440 मतदान केंद्रों का नियंत्रण महिलाओं के हवाले

केंद्रीय चुनाव आयोग के 'महिला नियंत्रित मतदान केंद्र' स्थापित करने के आदेश के अनुसार महाराष्ट्र में 440 मतदान केंद्रों का

नियंत्रण महिलाओं के हवाले कर दिया गया है। लैंगिक समानता और मतदान प्रक्रिया में महिलाओं की अधिक रचनात्मक भागीदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, आगामी लोकसभा चुनावों के लिए महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्र होंगे। इन मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस से लेकर चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारी और कर्मचारी तक सभी महिलाएं होंगी।

अनुराग ठाकुर का जनसंवाद

हमीरपुर के लोगों ने मुझे हमेशा दिया है आशीर्वाद

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) (भाषा)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के लोगों ने उन्हें हमेशा आशीर्वाद दिया है। ठाकुर ने कहा, ''हमने काम किया है और आगे भी करते रहेंगे।' उन्होंने भरोसा जताया कि क्षेत्र के लोग, विशेषकर महिलाएं इस बार ''शत प्रतिशत'' वोट डालेंगी। ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के

स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा एक दूरदर्शी पार्टी है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि उनकी पार्टी ने सभी निर्धारित लक्ष्य हासिल किए हैं, चाहे वह अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो, तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लाना हो या अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करना हो। उन्होंने बिलासपुर में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा का मुख्य उद्देश्य गरीब लोगों के कल्याण के लिए काम करना, देश की अर्थव्यवस्था में सुधार करना और भारत को दुनिया के सबसे मजबूत देशों में से एक बनाना है। उन्होंने 'अब की बार 400 पार' का नारा लगाते हुए लोगों से उन्हें वोट देने की स्थानीय बोली में अपील की।

भाकपा का घोषणापत्र

सीएए निरस्त करने, जाति जनगणना कराने का वादा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को निरस्त करने, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने का वादा किया गया है। पार्टी ने यह भी कहा है कि मनरेगा के तहत दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 700 रुपये की जाएगी। भाकपा ने अपने घोषणापत्र में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को खत्म करने, आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने, जाति जनगणना कराने, संपत्ति कर और विरासत कर जैसे कराधान उपायों को लागू करने, कॉरपोरेट कर बढ़ाने, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करने का वादा किया। घोषणापत्र में कहा गया है, ''18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव हमारे धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य, इसके भविष्य और हमारे संवैधानिक तानेबाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं।'' घोषणापत्र जारी करने के बाद भाकपा महासचिव डी राजा ने कहा, ''चुनाव देश और उसके भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी का शासन देश के लिए विनाशकारी रहा है।'

हैदाराबाद में राहुल की रैली

हर गरीब महिला को सालाना 1 लाख देंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शनिवार को हैदराबाद में सभा की। उन्होंने कहा मोदी सरकार के आने के बाद लोग फिर से गरीबी में घुस गए हैं। इसलिए हम नारी न्याय कानून लाएंगे, जिसमें हर गरीब परिवार की महिला के बैंक अकाउंट में साल में एक लाख रुपए डाले जाएंगे। ये क्रांतिकारी योजना है, जो देश का चेहरा बदल देगी। आप सोचिए, हिंदुस्तान के सबसे गरीब परिवारों को

कम से कम एक लाख रुपया कांग्रेस पार्टी की सरकार देने जा रही है। इसका मतलब ये हुआ कि हिंदुस्तान में कोई भी परिवार ऐसा नहीं होगा, जिसकी आदमी एक लाख रुपए साल नहीं होगी। राहुल ने ये भी कहा कि एनडीए सरकार आने के बाद 30 किसान रोज आत्महत्या कर रहे हैं। पीएम मोदी ने 16 लाख करोड़ का लोन देश के अमीरों को दे दिया है। किसानों का एक रुपए का भी कर्ज माफ नहीं किया गया। राहुल ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- आप सभी को पता है कि तेलंगाना में पिछले मुख्यमंत्री ने कैसे सरकार चलाई। उन्होंने हजारों लोगों के फोन टैप किए, इंटेलिजेंस-टैक्स एजेंसियों और पुलिस का गलत इस्तेमाल किया। राहुल ने कहा कि पिछले मुख्यमंत्री ने लोगों को डरा-धमकाकर सरकार चलाई थी और आपसे आपका धन छीना था।

प्रियांक खड़गे का दावा

आरएसएस के सर्वे में भाजपा 200 सीटें भी नहीं जीत रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने दावा किया है कि आरएसएस के सर्वे में भाजपा को 200 सीटें भी नहीं मिल रही हैं। कर्नाटक में भाजपा आपस में लड़ रही है। इससे पहले कांग्रेस ने शनिवार को गोवा, मध्य प्रदेश और दादरा के लिए उम्मीदवारों की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 6

उम्मीदवारों के नाम हैं। इनमें मध्य प्रदेश के लिए 3, गोवा के लिए 2 और दादरा के लिए एक उम्मीदवार का ऐलान किया है। पार्टी ने अब तक 240 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं। कांग्रेस ने एमपी के ग्वालियर से पूर्व विधायक प्रवीण पाठक, मुरैना से पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार (नीटू) और खंडवा से नरेंद्र पटेल को टिकट दिया है। पार्टी ने राज्य की 29 सीटों में से 28 पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। जबकि खजुराहो सीट सपा के लिए छोड़ी गई है। वहीं, नॉर्थ गोवा सीट से रमाकांत खलप और साउथ गोवा सीट से कैप्टन विरियाटो फर्नांडीस को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि दादरा एंड नगर हवेली (एसटी) सीट से अजीत रामजीभाई माहला चुनाव लड़ेंगे।

चेन्नई। उत्तरी चेन्नई से भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में रैली को संबोधित करने पहुंची भाजपा नेत्री और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी।

खबर संक्षेप

ताइवान में 5.2 तीव्रता का आया फिर से भूकंप

ताइपे। ताइवान में हाल में आए भूकंप के बाद अब भी झटके महसूस किए जा रहे हैं। इनमें से

एक झटका शनिवार दोपहर से कुछ देर पहले महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 5.2 मापी गई है। मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 13 हो गई है। छह अन्य लोग लापता हैं। भूकंप के तीन दन बाद भी 400 से अधिक लोग फंसे हुए हैं। मीडिया में आईं खबरों में यह जानकारी दी गई है।

अमेरिका के ओहायो में भारतीय छात्र की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिकी प्रांत ओहायो में एक भारतीय छात्र की मौत का मामला सामने आया है। न्यूयॉर्क में

भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि ओहायो के क्लीवलैंड में उमा सत्य साई गड्डे की दुर्भाग्यपूर्ण मौत की खबर से वह बहुत दुखी हैं। दूतावास ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और दूतावास उमा के भारत में रह रहे परिवार के संपर्क में है।

मालदीव ने भारत का आभार जताया

माले। भारत के मालदीव को आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति देने पर मालदीव के विदेश

मंत्री मूसा जमीर ने आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला दीर्घकालिक द्विपक्षीय मित्रता और व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत ने मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, आटा, चीनी, दाल जैसी वस्तुओं के निर्यात को अनुमति दी है।

अभिनेता पेरडोमो की सड़क दुर्घटना में मौत

लॉस एंजिल्स(एजेंसी)। 'जेन वी' और 'चिलिंग एडवेंचर्स ऑफ सबरीना' जैसी टीवी श्रृंखला में काम करने वाले चांस पेरडोमो का मोटरसाइकिल दुर्घटना में निधन हो गया। वेरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, वह 27 वर्ष के थे। पेरडोमो के प्रचारक ने एक बयान में ब्रिटिश-अमेरिकी अभिनेता की मृत्यु की पुष्टि की। बयान में कहा गया कि भारी मन से हम मोटरसाइकिल दुर्घटना के परिणामस्वरूप चांस पेरडोमो के असामयिक निधन की खबर साझा करते हैं।

कम नहीं हो रहीं आम आदमी पार्टी की मुश्किलें

सिसोदिया को नहीं मिली बेल, विधायक अमानतुल्लाह पर भी ईडी का शिकंजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शराब घोटाले को लेकर कम नहीं हो रहीं आप की मुश्किलें। शनिवार को दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत और 12 दिनों के लिए बढ़ गई है। वहीं आप विधायक दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने आप के विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में समन पर पेश नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शनविार को ईडी की इस याचकिा पर कोर्ट ने सुनवाई की और मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। अब कोर्ट नौ अप्रैल को अपना फैसला सुनाएगी।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 18 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। दरअसल, दिल्ली शराब नीति केस को लेकर तिहाड़ जेल में बंद सिसोदिया की हिरासत शनिवार को को खत्म हो रही थी। उन्हें शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने आरोपियों की तरफ से देरी के अलग-अलग आधारों पर उनकी जमानत याचिका का विरोध किया। कोर्ट ने ईडी की आगे की दलील पर सुनवाई 10 अप्रैल दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी है। सिसोदिया तिहाड़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 10 अप्रैल को कोर्ट में पेश होंगे।

मनीष ने सुनवाई से एक दिन पहले चिट्ठी में लिखा था, जल्द मिलेंगे

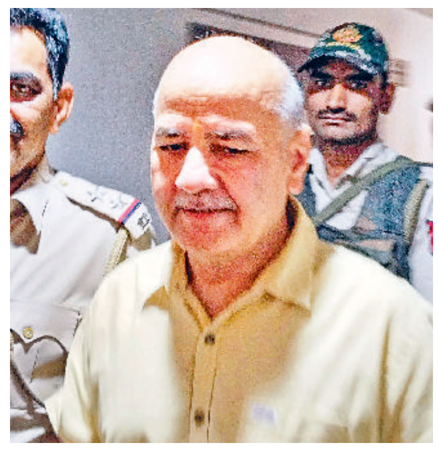

10 अप्रैल को कोर्ट में पेश होंगे

अब इस मामले को लेकर कोर्ट में दस अप्रैल को होगी सुनवाई। उधर, जमानत याचिका पर सुनवाई से एक दिन पहले शुक्रवार को सिसोदिया की एक चिट्ठी सामने आई थी। उन्होंने यह चिट्ठी 15 मार्च को अपने विधानसभा क्षेत्र पटपड़गंज के लोगों को लिखी थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इसे अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर 5 अप्रैल को जारी किया। सिसोदिया ने इसमें कहा कि जेल में रहने के बाद आप सब के प्रति मेरा प्यार और बढ़ गया है। आपने मेरी पत्नी सीमा का बहुत ख्याल रखा। सीमा आप सबके बारे में बात करते हुए भावुक हो जाती है।आप सभी अपना ख्याल रखें। अंत में उन्होंने लिखा कि जल्द ही बाहर मिलेंगे। शिक्षा क्रांति जिंदाबाद।

ईडी की अर्जी पर आदेश सुरक्षित रखा

दिल्ली की अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में समन से बचने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्ला खान के खिलाफ

ईडी की एक अर्जी पर शनिवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा नौ अप्रैल को फैसला सुनाएंगी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर जवाब के लिए खान को तलब किया जाए या नहीं। ईडी ने आरोप लगाया है कि खान ने अग्रिम जमानत याचिका दायर करके और जांच से भागकर अपनी भूमिका संदिग्ध कर ली है।

आप को एकजुट रखने में सुनीता केजरीवाल सबसे सक्षमः सौरभ

नई दिल्ली(एजेंसी)। शराब घोटाला मामले में तिहाड़ दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में बंद हैं। केजरीवाल की गैरमौजूदगी में सुनीता केजरीवाल लगातार दिल्ली की जनता तक केजरीवाल की हर बात पहुंचाने का काम कर रही हैं। इसी दौरान आप सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सुनीता को आप के मौजूदा हालात को देखते हुए एक अच्छा नेता बताया है। आम आदमी पार्टी के एक के बाद एक बड़े नेता जेल में गए, जिसके बाद से पार्टी को किसी बड़े नेता की जरूरत है। अब अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद से सुनीता केजरीवाल ने पार्टी की कमान अपने हाथ में सी, ऐसा कह सकते हैं, क्योंकि वो सीएम के सारे फैसलों के बारे में जनता को बताती आ रही हैं। उनको सीएम बनाने को लेकर कई खबरें सामने आई थीं।

भाजपा को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से करोड़ों रुपये मिले

आतिशी ने ईडी से की 'धनशोधन' के लिए भाजपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने निर्वाचन आयोग का नोटिस मिलने के एक दिन बाद शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कथित धनशोधन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। आतिशी ने दावा किया था कि भाजपा ने उसे पार्टी में शामिल होने अथवा एक माह के भीतर ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के लिए तैयार रहने को कहा है, इसके बाद आयोग ने आतिशी को नोटिस जारी किया। मंत्री ने कहा कि महज शक के आधार पर ईडी ने आप नेता संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और यहां तक की हमारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया। इनके खिलाफ धन के लेन-देन का कोई सबूत नहीं मिला।

आप के सांसद ने तिहाड़ में बिताए दिनों को याद किया

तिहाड़ जेल में रहने के दौरान मैंने साहस से काम लिया, मजबूत बना रहाः संजय सिंह

नई दिल्ली (भाषा)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि तिहाड़ जेल में छह महीने रहने के दौरान उन्होंने दृढ़ता और साहस से काम लिया और उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों से भी कहा था कि वे "आंसू न बहाएं"। राज्यसभा सदस्य सिंह को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में जमानत दे दी थी। लगभग छह महीने तक तिहाड़ जेल में बंद रहने के बाद वह बुधवार को तिहाड़ जेल से बाहर आए थे। उन्होंने एक समाचार एजेंसी दिए साक्षात्कार में तिहाड़ में बिताए अपने दिनों को याद किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन भी इस समय तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिंह ने कहा कि शुरुआती 11 दिन छोटी सी कोठरी में काफी मुश्किल थे, बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। मैं पुलिस सुरक्षा में था। मैंने जेल प्रशासन से बात की और मांग की कि मुझे आम कैदी के रूप में अधिकार दिए जाएं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया

गैरकानूनी काम में फंसाए गए 17 भारतीय लौट रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि लाओस में धोखे से गैरकानूनी काम में फंसाए गए 17 भारतीय कामगारों को स्वदेश वापस लाया जा रहा है। विदेश मंत्री ने इस मामले में मदद के लिए लाओस में भारतीय दूतावास की सराहना की।

जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा है मोदी की गारंटी सभी के लिए देश-विदेश में हर कहीं काम करती है। लाओस में धोखे में रखकर गैरकानूनी और खतरनाक काम में फंसाए गए 17 भारतीय कामगार स्वदेश लौट रहे हैं।

मानव तस्करी से आगाह

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिकों को कंबोडिया में आकर्षक नौकरी के अवसरों का वादा करने वाले मानव तस्करों का शिकार बनने के प्रति आगाह किया था। मंत्रालय ने एक परामर्श जारी कर दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में नौकरी के अवसर तलाश रहे भारतीयों से भावी नियोक्ता की पृष्ठभूमि की अच्छी तरह से जांच करने का आह्वान किया था।

ईरान की इजराइल पर हमले की तैयारी अमेरिका को हिदायत बीच में मत पड़ना

एजेंसी ▶▶ तेहरान/तेलअवीव

- इजराइल-हमास जंग का यूएस इजराइल को सपोर्ट कर रहा

ईरान सीरिया में अपने दूतावास पर हमले के बाद इजराइल से बदला लेने की की तैयारी कर रहा है। इस बीच शनिवार को ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि वो इजराइल और उनके मसले के बीच न आए।

ईरानी राष्ट्रपति के 'डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ' मोहम्मद जमशीदी ने अमेरिका से कह कि इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के जाल में न फंसें। अगर आप चाहते हैं कि हमले में आपको नुकसान न हो तो मामले से दूर रहें। जमशीदी ने बताया अमेरिका ने उनकी चेतावनी पर कहा है कि उनके ठिकानों पर हमले नहीं होने चाहिए। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में लिखा, 'ईरान की चेतावनी को लेकर अमेरिकी सेना हाई अलर्ट पर है।'दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इजराइल को बदला लेने की धमकी दी थी।

बंगाल 2022 विस्फोट केसः भीड़ के हमले के बीच एनआईए ने किया दो लोगों को गिरफ्तार

नई दिल्ली(भाषा)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले में भीड़ की ओर से जांच एजेंसी की टीम पर हमला किए जाने के बीच 2022 के विस्फोट मामले में शनिवार को दो प्रमुख साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार किया। संघीय जांच एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि हमले में एनआईए का एक अधिकारी घायल हो गया और जांच एजेंसी का एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। 'पश्चिम बंगाल के भूपतिनगर विस्फोट मामले में एक बड़ी सफलता मिली।

अधिकारियों ने ग्रामीणों पर हमला कियाः ममता

बालुरघाट (भाषा)। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पूर्व मेदिनीपुर

जिले के भूपतिनगर इलाके में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पर हमला नहीं किया, बल्कि एनआईए के अधिकारियों ने उन पर (ग्रामीणों पर) हमला किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की प्रतिक्रिया को आत्मरक्षा में उठाया गया कदम बताकर उनका बचाव किया। एजेंसी का दल '2022 में पटाखों में विस्फोट' की घटना की जांच के सिलसिले में तड़के ग्रामीणों के घरों में घुस गया।

टीएमसी की 'तालिबानी मानसिकता' : भाजपा

नई दिल्ली (भाषा)। भाजपा ने बंगाल में एनआईए अधिकारियों पर हुए हमले को

शनिवार को राज्य प्रायोजित हमला करार दिया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि सीएम ममता बनर्जी ने 2022 विस्फोट मामले की जांच में बाधा उत्पन्न करने के लिए हिंसा भड़काई, ताकि घटना में शामिल लोगों को बचाया जा सके। एनआईए द्वारा 2022 विस्फोट मामले में दो प्रमुख षड्यंत्रकारियों को गिरफ्तार किए जाने के बाद भाजपा की टिप्पणी आई।

एक सेल्फी तो बनती है...

'गगन शक्ति 2024': आपातकालीन लैंडिंग

उन्नाव(उप्र)। शनिवार को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में 'गगन शक्ति 2024' अभ्यास के हिस्से के रूप में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आपातकालीन लैंडिंग और टेक-ऑफ अभ्यास करते वायु सेना (आईएएफ) का विमान।

दुनियाभर में मनाया जा रहा है 74वां विश्व स्वास्थ्य दिवस

'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' थीम को लेकर जागरूक करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा प्रतिवर्ष 07 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति और स्वास्थ्य को लेकर जागरूक करना है। पूरी दुनिया इस साल 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' थीम के साथ 74वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2023 का विषय था 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में यह दिवस 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाइयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरुआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 07 अप्रैल 1950 से शुरू किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई। उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद 1950 में पहली बार 07 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है।

हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ी

सोच-समझकर यौन संबंध बनाने वाली महिला की सहमति का आधार गलतफहमी नहीं हो सकती : दिल्ली हाईकोर्ट

- शादी के वादे पर रेप का केस, मामले में हाईकोर्ट की टिप्पणी
- महिला को सबूत देना होगा कि शादी का वादा किया था
- कोर्ट ने दुष्कर्म के केस को रद किया

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि जब कोई महिला किसी पुरुष के साथ सोच-समझकर शारीरिक संबंध बनाती है, तो उसकी सहमति को गलतफहमी पर आधारित नहीं कहा जा सकता जब तक कि शादी के झूठे वादे का स्पष्ट सबूत न हो। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म के एक मामले को रद करते हुए यह टिप्पणी की।

मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझ गया, एक-दूसरे से शादी कर ली

अदालत ने माना कि यह मामला उसके और महिला के बीच सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझ गया है और उन्होंने अब एक-दूसरे से शादी कर ली है। उच्च न्यायालय ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, " यह ध्यान देने योग्य बात है कि जब भी कोई महिला ऐसे कृत्य के परिणामों को पूरी तरह से समझने के बाद किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबंध बनाने का विकल्प चुनती है, तो उसकी सहमति को गलतफहमी पर आधारित नहीं कहा जा सकता जब तक कि इस बात का स्पष्ट प्रमाण न हो कि संबंध बनाने वाले पुरुष ने उससे शादी का झूठा वादा किया था और उसे निभाने का उसका कोई इरादा नहीं था।" अदालत ने कहा कि उक्त वादा तत्काल प्रासंगिक होना चाहिए और इसका महिला द्वारा यौन कृत्य में शामिल होने के निर्णय से सीधा संबंध होना चाहिए।" महिला ने उस व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था और आरोप लगाया था कि उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए, लेकिन बाद में व्यक्ति ने शादी करने से इनकार कर दिया कि उसके परिवार ने उसकी शादी किसी और से तय कर दी है। बाद में अदालत को सूचित किया गया कि उस व्यक्ति और शिकायतकर्ता ने अपना विवाद सुलझा लिया और अदालत में शादी कर ली। शिकायतकर्ता ने उच्च न्यायालय को बताया कि वह उस आदमी के साथ खुशी से रह रही है और वह प्राथमिकी के सिलसिले में आगे बढ़ना नहीं चाहती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25